

दिल्ली पॉल्यूशन: ग्रेप-3 के लागू होने के बाद भी सांसों पर आफत बरकरार, कई इलाकों में AQI 400 पार; जानें कब मिलेगी राहत

दिल्ली में रविवार को प्रदूषण के स्तर में आंशिक सुधार हुआ है। फिर भी एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहने के कारण लगातार तीसरे दिन हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। इस वजह से दिल्ली में लोगों की सांसों पर आफत का दौर जारी रहा। आंखों में जलन सांस लेने में परेशानी गले में खराश जैसी समस्या महसूस हो रही है।

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को प्रदूषण के स्तर में आंशिक सुधार हुआ है। फिर भी एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहने के कारण लगातार तीसरे दिन हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। इस वजह से दिल्ली में लोगों की सांसों पर आफत का दौर जारी रहा। आंखों में जलन, सांस लेने में परेशानी, गले में खराश जैसी समस्या महसूस हो रही है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सोमवार को क्रिसमस के दिन एयर इंडेक्स में थोड़ा सुधार होगा। इस वजह से हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच सकती है। इसलिए प्रदूषण से अभी ज्यादा राहत मिलने की संभावना नहीं है।

ग्रेप 3 के प्रतिबंध के बावजूद भी प्रदूषण कम नहीं



सांसों का संकट

ग्रेप (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) तीन के प्रतिबंध लागू होने के बाद भी प्रदूषण कम करने में खास मदद नहीं मिली है। सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली का एयर इंडेक्स 411 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में है। एक दिन पहले एयर इंडेक्स 450 था। इस तरह एयर इंडेक्स में 39 अंकों की कमी दर्ज की गई। लेकिन यह कमी इतनी नहीं है लोगों

को प्रदूषण से राहत मिल सके।

NCR में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब
दिल्ली के छह इलाकों में एयर इंडेक्स 450 से भी ज्यादा रहा, जिसमें से शादीपुर सबसे अधिक प्रदूषित जगह रही। शादीपुर में एयर इंडेक्स 480 पहुंच गया। इसके अलावा पंजाबी बाग, नेहरू नगर, जहांगीरपुरी, वजीरपुर और मुंडका में प्रदूषण का

स्तर अधिक रहा। एनसीआर के शहरों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही।

दो दिन बाद फिर गंभीर श्रेणी में होगी हवा

सीपीसीबी के अनुसार इन दिनों दिल्ली में प्रदूषण का कारण स्थानीय परिस्थितियां व कोहरा है। 25 और 26 दिसंबर को एयर इंडेक्स 400 से कम बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। इसके बाद 27 दिसंबर को दोबारा हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है।

एनसीआर का एयर इंडेक्स

दिल्ली	411
फरीदाबाद	327
गाजियाबाद	360
ग्रेटर नोएडा	376
गुरुग्राम	304
नोएडा	368

दिल्ली के अधिक प्रदूषित इलाकों में AQI

शादीपुर	480
पंजाबी बाग	456
नेहरू नगर	453
जहांगीरपुरी	452
वजीरपुर	453
मुंडका	452

2030 तक देश में होगी एक करोड़ ईवी वाहनों की संख्या : नितिन गडकरी



परिवहन विशेष न्यूज

19 वें EV Expo 2023 में नितिन गडकरी ने ईवी मार्केट को लेकर कई सारी बातें कही हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आने वाले सालों में ईवी सेक्टर के तेजी से ग्रो होने की बात कही है। इन्होंने कहा कि 2030 तक देशभर में एक करोड़ से अधिक ईवी वाहन होंगे। आइए इस पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड मार्केट में जमकर देखी जा रही है। यही वजह है कि कंपनियां भी इस सेगमेंट को मजबूती देने के लिए खूब गाड़ियां लॉन्च कर रही हैं। हाल ही में 19 वें EV Expo 2023 में नितिन गडकरी ने ईवी मार्केट को लेकर कई सारी बातें कही हैं। इन्होंने कहा कि आने वाले सालों में भारत का ईवी सेक्टर तेजी से ग्रो करेगा। आइए इस खबर के बारे में जान लेते हैं।

2030 तक देश में होगी एक करोड़ ईवी

19 वें ईवी एक्सपो 2023 को संबोधित



करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आने वाले सालों में ईवी सेक्टर के तेजी से ग्रो होने की संभावना जताई है। इन्होंने कहा कि 2030 तक देशभर में एक करोड़ से अधिक ईवी वाहन होंगे। गडकरी ने बताया भारत के ईवी डेटाबेस के हिसाब से वर्तमान समय में 34.54 लाख ईवी वाहन पंजीकृत हैं और इस संख्या में तेजी वृद्धि दर्ज की जा रही है।

पैदा होंगी 5 करोड़ नौकरियां

इतना ही नहीं इस कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा कि ईवी मार्केट की ग्रोथ से देश में 5 करोड़ नौकरियां भी पैदा होंगी। इन्होंने कहा भारत के पास दुनिया में सबसे ज्यादा ईवी वाहन बनाने की क्षमता है। सरकार भारत को पूरी तरह से प्रदूषण रहित बनाने के लिए काम कर रही है। सरकार सेक्टर की वृद्धि के लिए हर प्रतिबद्ध कदम उठा रही है।

इन्होंने कहा कि सरकार पब्लिक ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स को भी ईवी में परिवर्तित करना चाहती है। अगर ऐसा होता है तो ये देश के लिए बहुत अच्छी बात होगी।

क्रिसमस को लेकर दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी, इन मार्गों पर जानें से बचें

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने क्रिसमस सेलिब्रेशन को लेकर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने कहा कि इस दौरान कई इलाकों में भारी ट्रैफिक देखने को मिल सकती है। इसलिए कई रूट्स का डायवर्जन किया गया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि क्रिसमस को देखते हुए दिल्ली के चर्च के आसपास कई रूट्स पर स्पेशल ट्रैफिक अरेजमेंट किए गए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने क्रिसमस सेलिब्रेशन को लेकर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने कहा कि इस दौरान कई इलाकों में भारी ट्रैफिक देखने को मिल सकती है। इसलिए कई रूट्स का डायवर्जन किया गया है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि क्रिसमस को देखते हुए दिल्ली के चर्च के आसपास कई रूट्स पर स्पेशल ट्रैफिक अरेजमेंट किए गए हैं। कृपया इसे जरूर फॉलो करें। यह एडवाइजरी 24 दिसंबर की संध्या से लागू हो जाएगी और 25 दिसंबर तक लागू रहेगी।

प्रमुख चर्च जहां बड़ी संख्या में भक्तों के जुटने की उम्मीद है, उनमें सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल, सेंट थॉमस चर्च, फ्री चर्च, कैथेड्रल चर्च, चर्च कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल, सेंट मार्टिन चर्च, सेंट थॉमस चर्च, सेंट मैरी कनाया चर्च, द पेटेकोस्टल मिशन, इंडिपेंडेंट चर्च ऑफ इंडिया, एफओएलजे चर्च और सेंट अल्फोंसो चर्च आदि शामिल हैं।



दिल्ली ट्रैफिक एडवाइजरी

यातायात पुलिस विभाग ने कहा है कि जिन संभावित मार्गों पर भारी ट्रैफिक रहने की उम्मीद है। उनमें शामिल हैं- गोल डाक खाना; अशोक रोड (गोल डाक खाना से विंडसर प्लेस); बाबा खड़क सिंह मार्ग; संसद मार्ग; चर्च रोड; लोधी

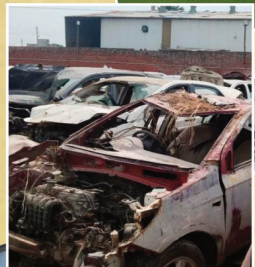
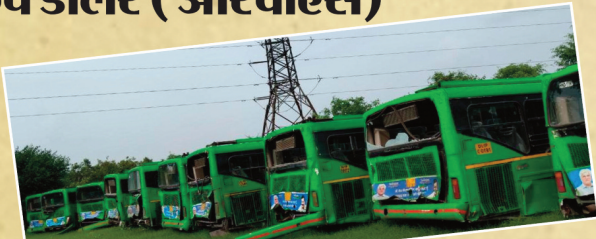
रोड; अरबिंदो मार्ग; पटेल चौक; और अफ्रीका एवेन्यू रोड।

इन मार्गों को किया जा सकता है डायवर्ट

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि यदि आवश्यक होगा तो यातायात को निम्न मार्गों से डायवर्ट किया जा सकता है: आरएमएल से गोल डाक

खाना की ओर; भाई वीर सिंह मार्ग/काली बाड़ी टी-ज्वाइंट से गोल डाक खाना की ओर; अशोक रोड पर पटेल चौक से गोल डाक खाना की ओर; आउटर सर्कल कर्नाट प्लेस से बाबा खड़क सिंह मार्ग पर गोल डाक खाना की ओर ट्रैफिक को डायवर्ट किया जा सकता है।

पाइनव्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड भारत सरकार द्वारा अधिकृत वाहन स्कैप डीलर (आरवीएस)



- हरियाणा राज्य में प्रतिदिन 100 वाहनों को स्कैप करने की क्षमता के साथ 3 एकड़ का स्कैपिंग यार्ड

- दिल्ली स्थित पब्लिक कार्पोरेशन और दिल्ली परिवहन विभाग के साथ मिलकर इंग्लैंड वाहनों को हटाने और कायदे अनुसार स्कैप करने में सहयोग और योगदान

- दिल्ली सरकार द्वारा उम्र पूरी कर चुके वाहनों को स्कैप करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने वाली द्वितीय कंपनी

- जनता द्वारा स्वेच्छा से अपने इंग्लैंड वाहन को उचित मूल्य दर प्रदान कर स्कैप करने में अवल, - डी टी सी की 100 इंग्लैंड बसों को स्कैप करने का टेंडर प्राप्त करने वाली कम्पनी

- आर.वी.एस.एफ. की नवीनतम नीति के अंतर्गत हरियाणा में लाइसेंस प्राप्त करने वाली तृतीय कंपनी

- कंपनी का दृष्टिकोण और इंग्लैंड वाहनों को स्कैप करने की कार्यशील पूर्ण रूप से पर्यावरण स्वरूप

पाइनव्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (भारत सरकार द्वारा अधिकृत वाहन स्कैप डीलर) मुख्य स्कैप सेंटर

विक्रम बख्शी :- 09999996391

यूनिट एमएम कार्यालय :- 63, पिआयू भवन, नरेला रोड कुडली, सोनीपत, हरियाणा 131001

दिल्ली में मिलने का कार्यालय :-

अनिल :- 08178234951

खजान बस्ती मुखार के करीब,

ग्राउंड फ्लोर, सी:-260 - लेफ्ट साइड हिस्से में, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2, न्यू दिल्ली 110064

टैपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर

(152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर

उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन

नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-

2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4

पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड,

नियर बैंक ऑफ बड़ौदा दिल्ली 110042

अगर आप भी है वर्किंग वुमन तो इन्वेस्टमेंट की ये तरकीबें आएंगी आपके बहुत ही काम, यहां जानें सारी जरूरी डिटेल्स

अगर आप वर्किंग वॉमन है और अपने लिए बेस्ट इन्वेस्टमेंट ऑप्शन खोज रहे हैं तो हम आपके कुछ ऐसे ऑप्शन लाए हैं जिसकी मदद से आप अपने लिए सही इन्वेस्टमेंट कर सकती हैं। इस लिस्ट में गोल्ड इन्वेस्टमेंट म्युअल फंड से लेकर फिस्ड डिपॉजिट तक सब तक शामिल है। आज हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इन्वेस्ट कर सकते हैं।



भारत में बहुत सी ऐसी महिलाएं हैं, जो घर से बाहर निकल कर काम करती हैं। ऐसे में हम अपने काम में इतने महगूल हो जाते हैं कि हमें कभी-कभी ख्याल भी नहीं रहता है कि हम अपने लिए कोई सेविंग नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में इन्वेस्टमेंट का एक सही विकल्प हमेशा हमारे लिए मददगार साबित हो सकता है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ विकल्प के बारे में बताएंगे, जो आपके लिए इन्वेस्टमेंट का बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। आइये इनके बारे में जानते हैं।

गोल्ड इन्वेस्टमेंट

पुराने समय से ही भारत में महिलाएं सोने में इन्वेस्ट करती आ रही हैं, चाहे वो सोने का गहना हो या सोने की बिस्किट वे इसमें इन्वेस्ट करती हैं। सबसे अच्छी बात है कि अब गोल्ड में इन्वेस्ट करने के बहुत से तरीके हैं, जिसमें गहने, सिक्के, बार, गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, गोल्ड फंड, सॉल्वरे गोल्ड बॉन्ड प्रोग्राम आदि शामिल हैं।

म्युअल फंड SIP

अगर आप कम जोखिम के साथ इन्वेस्ट

करना चाहते हैं तो म्युअल फंड आपके लिए निवेश का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए आपको अपने अनुसार निवेश करना होगा। अपने बजट के अनुसार आप इक्विटी, डेट या हाइब्रिड फंड में निवेश कर सकते हैं। अगर आप लंबे समय के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि SIP आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना

जैसा कि हम जानते हैं कि अब हमें पेंशन नहीं मिलती है, ऐसी स्थिति में भारत सरकार आपको लिए रिटायरमेंट के बाद पैसे सुरक्षित रखने का उपाय लेकर आई है। सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन योजना को लॉन्च किया है, जिसकी मदद से आप आसानी से अपने लिए पैसे सुरक्षित कर सकते हैं। एनपीएस योजना में आप बहुत से सिक्क्योरिटी प्लान में निवेश कर सकते हैं, जिसमें इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड, लिक्विड फंड, सरकारी बॉन्ड आदि शामिल हैं।

ठंड में अपने बच्चों को रखें स्वस्थ नियमित खिलाएं यह आहार, बाल रोग विशेषज्ञ से लें टिप्स



शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय कुमार बताते हैं कि सर्द हवा के कारण पड़ रही ठंड में बच्चों अधिक बीमार होते हैं। इससे उन्हें बचाने के लिए ताजा फल और गर्म खाना खिलाना चाहिए। साथ ही बच्चों के पूरे शरीर को अच्छे से ढंक कर रखें।

या ठंडे जगह पर ले जाने से बचना चाहिए बच्चों के कान, हाथ, पैर सहित शरीर को पूरी तरह से गर्म

बीज डॉक्टर से जानें कैसे आगे देखें...

गर्म एवं ताजा खाने के साथ मौसमी फल खिलाएं। वे बताते हैं कि बच्चों की मां को भी अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि अगर मां बीमार होगी तो बच्चों के सेहत पर भी बुरा असर पड़ेगा। वे बताते हैं कि संक्रमण से लड़ने के लिए पोषक तत्व की जरूरत होती है। ऐसे में 5 साल से बड़े बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से सब्जी और फल खिलाना चाहिए।

सर्द हवा के कारण 11 डिग्री तक लुढ़का रात का पारा

बीते एक पखवारा में तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। साथ ही तेज पछुआ हवा भी चल रही है। इस कारण शाम ढलते ही कनकनी बढ़ने लगती है। जिले में बीते एक पखवारा के दौरान तापमान अधिकतम 32 से लुढ़क कर 22 एवं न्यूनतम 23 डिग्री से लुढ़क कर 11 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है।

इन कारणों से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, दिहाड़ी मजदूर और कामकाजी लोगों को हो रही है। तापमान में तेजी से हो रही गिरावट के अलावा दिन और रात के तापमान में भारी अंतर आने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। इस कारण अस्पतालों में सदी-खांसी, कोल्ड डायरिया, बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं।

कपड़े

से ढंक कर रखना चाहिए। बच्चों का तेल मालिश जरूर करें, ताकि उनके शरीर का रोम छिद्र खुला रहे।

बेहद खास है ये ताकत देने वाले काले बीज डॉक्टर से जानें कैसे बेहद खास है ये ताकत देने वाले काले

बाहें फैलाकर आपको बुला रहे हैं ये 5 खूबसूरत डेस्टिनेशन सुकून से बीतेगा रोमांस का पल, यादों में बसा रहेगा जिंदगी भर

अक्सर रोज की भागदौड़, वर्क प्रेशर, घर-परिवार की देखभाल के कारण कपल्स एक-दूसरे को समय नहीं दे पाते हैं। फिजिकली और मेंटली भी थकान महसूस होती है। ऐसे में कुछ दिनों के लिए सिर्फ एक-दूसरे के साथ समय बिताना चाहते हैं, जिंदगी का मजा उठाना चाहते हैं तो कपल ट्रैवल पर निकल पड़ें। सभी कामों से एक सप्ताह का ब्रेक लेकर आप किसी फेवरेट डेस्टिनेशन की सैर कर आएंगे। यदि आप देश के बाहर कहीं घूमना चाहते हैं तो कई ऐसी जगहें हैं, जो आपका मूड फ्रेश कर देंगे। सारी तनाव, परेशानियों को भूल जाएंगे। ये ट्रैवल डेस्टिनेशंस ऐसे हैं, जिन्हें न्यूली वेड कपल्स भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

बाली— आपको कपल ट्रैवल डेस्टिनेशन की तलाश है, जहां की खूबसूरत वादियां आपका मन मोह लें तो आप एक बाली होकर आएंगे। बाली के खूबसूरत बीच (Beach) पर आप एक-दूसरे के साथ वॉलिटी टाइम बिता सकते हैं। अपने जीवन को दोबारा से रोमांटिक बना सकते हैं। रिश्ते को पहले से भी ज्यादा मजबूत बना सकते हैं। यहां का फूड भी बेहद स्वादिष्ट होता है। प्रत्येक साल यहां कपल्स सबसे अधिक घूमने आते हैं।

मालदीव— अधिकतर कपल्स मालदीव जाना पसंद करते हैं। यदि आपका सपना है मालदीव जाने का तो एक बार यहां जरूर घूम आएंगे। यहां के बीच पर बने छोटे-छोटे कॉटेज या बीच हाउस में सुकून भरा पल आपको साथ बिताने का भरपूर मौका मिलेगा। मालदीव अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यह एक शानदार कपल ट्रैवल और हनीमून डेस्टिनेशन साबित हो सकता है।

वियतनाम— वियतनाम एक दक्षिण पूर्व एशियाई देश है, जो अपने समुद्र तटों, नदियों, बौद्ध पैगोडा आदि के लिए मशहूर है। जो कपल कम पैसे में फुल मस्ती करना चाहते हैं, उनके लिए बेस्ट है वियतनाम में ट्रैवल करना। यहां आपको कई चीजें देखने को मिल जाएंगी। खूबसूरत समुद्र तटों पर आप एक-दूसरे के साथ रोमांटिक पल स्पेंड कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड— यदि आपको किसी रोमांटिक डेस्टिनेशन की तलाश है तो आप न्यूजीलैंड का भी रुख कर सकते हैं। न्यूजीलैंड कपल्स के लिए भी यह एक शानदार हनीमून डेस्टिनेशन साबित हो सकता है। नीले-नीले समुंद्र, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ में एक-दूसरे के साथ घूमने से आपको रुमानी अहसास होगा।

मॉरीशस— आप बाली, मालदीव जा चुके हैं तो इस बार मॉरीशस घूमने का प्लान बनाएं। हाल ही में शादी हुई है और हनीमून प्लान कर रहे हैं तो आपके लिए मॉरीशस बेस्ट कपल ट्रैवल डेस्टिनेशन होगा। कहा जाता है कि धरती के खूबसूरत जगहों में से एक है मॉरीशस। यहां के खूबसूरत समुद्र तटों के किनारे लाइफ पार्टनर के साथ हाथों में हाथ डाले घूमना बेहद खास अहसास देगा। आप यहां आकर यहां के फूड्स, कल्चर, प्लेसेज का भरपूर आनंद उठा सकते हैं।



नगर निगम ने दिल्ली के कई इलाकों में हो रहे अवैध निर्माण पर चलाया बुलडोजर, MCD ने की लोगों से ये अपील



परिवहन विशेष। न्यूज

दिल्ली नगर निगम ने कृषि भूमि पर कब्जे और कॉलोनियों को काटने के बाद हो रहे निर्माण पर कार्रवाई की है। निगम ने एक ओर सिविल लाइंस क्षेत्र के तहत आने वाले स्वरूप नगर वार्ड के तहत केला गोदाम के पास 30 हजार गज से अधिक भूमि को अवैध निर्माण से मुक्त कराया है। निगम ने यह बिल्डरों द्वारा किए गए निर्माण और चारदिवारी को ध्वस्त कर दिया है। इसके बाद भी यह निर्माण न हो, इसके लिए भी निगरानी कर रही है। वहीं, दक्षिणी जोन के डेरा मंडी, आया नगर, भाटी, छतरपुर, महारौली, नेब सराय, ग्रीन पार्क, सफदरजंग एन्क्लेव, ग्रेटर कैलाश 1 एवं 2, मांडी, भाटी इत्यादि स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

इस माह 111 अवैध निर्माण पर कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान कृषि भूमि पर अवैध रूप से की जा रही प्लॉटिंग को पूर्व रूप से ध्वस्त किया गया। निगम के मुताबिक आठ स्थानों पर शुरूआती दौर में शुरू हुई

के पास 30 हजार गज से अधिक भूमि को अवैध निर्माण से मुक्त कराया है। निगम ने यह बिल्डरों द्वारा किए गए निर्माण और चारदिवारी को ध्वस्त कर दिया है। इसके बाद भी यह निर्माण न हो, इसके लिए भी निगरानी कर रही है। वहीं, दक्षिणी जोन के डेरा मंडी, आया नगर, भाटी, छतरपुर, महारौली, नेब सराय, ग्रीन पार्क, सफदरजंग एन्क्लेव, ग्रेटर कैलाश 1 एवं 2, मांडी, भाटी इत्यादि स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

इस माह 111 अवैध निर्माण पर कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान कृषि भूमि पर अवैध रूप से की जा रही प्लॉटिंग को पूर्व रूप से ध्वस्त किया गया। निगम के मुताबिक आठ स्थानों पर शुरूआती दौर में शुरू हुई

चारदिवारी को ध्वस्त कर दिया है। अब तक दिसंबर माह में 111 अवैध निर्माण के खिलाफ गिराने और सीलिंग की कार्रवाई की गई है। निगम के अनुसार बिना सक्षम प्राधिकारी के निर्माण को मंजूरी के बिना कृषि योग्य भूमि पर निर्माण किया जा रहा था।

बिल्डर पर अवैध प्लॉटिंग का आरोप

निगम ने पहले भी यहां पर चेतावनी जारी की थी, लेकिन जब अवैध निर्माण नहीं रुका तो निगम ने इस निर्माण को गिरा दिया है। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि बिल्डर सस्ते प्लॉट और फ्लैट का लालच देकर अवैध प्लॉटिंग करते हैं। ऐसे में इन लोगों से सावधान रहे। जो कॉलोनियां अधिकृत हैं, वहीं पर प्लॉट का क्रय-विक्रय करें।

यौन उत्पीड़न का बदला लेने के लिए तीन किशोरों ने युवक को उतारा मौत के घाट, घास और कपड़ों से शव जलाने की कोशिश

निजामुद्दीन बस्ती के एक युवक की हत्या करने के मामले में तीन किशोरों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ करने के बाद शव को बरामद करते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने हत्या में उपयोग डंडा पत्थर व अन्य हथियार बरामद कर लिए हैं। निजामुद्दीन थाना एसआई पंकज ने बताया कि निजामुद्दीन बस्ती के रहने वाले तीन किशोरों को संदिग्ध हालत में पकड़ा है।

दक्षिणी दिल्ली। निजामुद्दीन बस्ती के एक युवक की हत्या करने के मामले में तीन किशोरों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ करने के बाद शव को बरामद करते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने हत्या में उपयोग डंडा, पत्थर व अन्य हथियार बरामद कर लिए हैं। निजामुद्दीन थाना एसआई पंकज ने बताया कि निजामुद्दीन बस्ती के रहने



वाले तीन किशोरों को संदिग्ध हालत में पकड़ा है। पूछताछ में उन्होंने खुलासा किया कि आजाद निवासी निजाम नगर बस्ती निजामुद्दीन उम्र 25 वर्ष की हत्या कर दी थी और उसका अधजला शव खुसरो पार्क में पड़ा हुआ है।

साथी का यौन उत्पीड़न करने की कोशिश का आरोप

पूछताछ के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और खुसरो पार्क से शव को बरामद करते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स में भेज दिया। पूछताछ में खुलासा किया कि 21 दिसंबर को दस बजे आजाद की हत्या कर दी थी, क्योंकि उसने उनके साथी साहिल का यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की थी। शव जलाने की कोशिश

इसका बदला लेने के लिए आजाद की बेरहमी से मारपीट करने के बाद पीट-पीट कर हत्या कर दी। उन्होंने मृतक के सबूत और पहचान को नष्ट करने के लिए सूखी घास और कपड़ों की मदद से मृतक को जलाने कोशिश की थी। पुलिस ने अपराध में प्रयुक्त हथियार खुसरी, पत्थर और डंडा बरामद कर लिया है।

नए कुश्ती संघ अध्यक्ष सस्पेंड, साक्षी-बजरंग की जीत

परिवहन विशेष। एसडी सेटी।

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक के पहलवानों से सन्यास लेने और बजरंग पूनिया का पद्मश्री सम्मान को लौटाने की कार्रवाई से आहत खेल मंत्रालय एक्शन में आ गया है। खेल मंत्रालय भारत सरकार ने WFI की नई निर्वाचित बॉडी समेत बृजभूषण शरण के खासमखास नए अध्यक्ष संजय सिंह और उनकी पूरी टीम को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कुश्ती संघ के आगामी तमाम कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया है। खेल मंत्रालय के इस कड़े फैसले से पहलवानों के चेहरे पर खुशी लोट आई है। और उम्मीद जागी है। खेल मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा है कि नए संघ से नियमों के खिलाफ जाकर आगामी टूर्नामेंट और कार्यक्रम को एलान किया था। जिसमें अंडर-15 और अंडर-20 के नेशनल नॉन्दीन नगर गौंडा में कराए जाने का फैसला लिया गया था। इस फैसले के खिलाफ साक्षी



मलिक समेत कई पहलवानों ने अपनी आबरू को लेकर कई सवाल खड़े किए थे। इसके बाद खेल मंत्रालय तुरंत एक्शन में आ गया। मंत्रालय ने आदेश में कहा कि कुश्ती संघ अब अगले

आदेश तक कोई फैसला नहीं ले सकेगा। खेल मंत्रालय के कड़ा फैसला लेने के बाद भी साक्षी समेत तमाम महिला पहलवानों की मांग है कि कुश्ती संघ का

अध्यक्ष पुरुष की बजाए महिला को अध्यक्ष बनाया जाए। इससे महिला पहलवानों में वृजभूषण शरण और उस जैसे पुरुषों की कथित मनमानी को रोका जा सकेगा।

अस्पतालों में नकली दवाओं को जब्त करने के आदेश, स्वास्थ्य सचिव से 48 घंटे में मांगी गई रिपोर्ट

परिवहन विशेष। एसडी सेटी।

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति किए जाने पर सतर्कता विभाग ने स्वास्थ्य सचिव को कार्रवाई करने को कहा है। विशेष सतर्कता सचिव ने स्वास्थ्य सचिव को चिट्ठी लिखकर कहा है कि दिल्ली के अस्पतालों में दी जा रही नकली दवाओं की पहचान करें और उन्हें तत्काल जब्त करें। सतर्कता सचिव ने मामले में अगले 48 घंटों में की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट भी मांगी है।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति किए जाने पर सतर्कता विभाग ने स्वास्थ्य सचिव को कार्रवाई करने को कहा है। विशेष सतर्कता सचिव ने स्वास्थ्य सचिव को चिट्ठी लिखकर कहा है कि दिल्ली के अस्पतालों में दी जा रही नकली दवाओं की पहचान करें और उन्हें तत्काल जब्त



करें। सतर्कता सचिव ने कहा कि जिन कंपनियों ने इन दवाओं की आपूर्ति की है, उन्हें भुगतान नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही सतर्कता सचिव ने मामले में अगले 48 घंटों में की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट भी मांगी है।

एलजी ने की थी CBI जांच की सिफारिश

बता दें, सतर्कता विभाग ने नकली दवाओं को लेकर उपराज्यपाल को अपनी रिपोर्ट दी थी। इसमें कहा गया था कि दिल्ली के कई अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति की जा रही है। इसके बाद एलजी ने मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। इस पर दिल्ली सरकार ने कहा था कि एलजी को इस संबंध में दो महीने पहले ही बता दिया था।

'एक अधिकारी अपना काम सही से नहीं कर रहा...', मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उठाए LG की सिफारिश पर सवाल



एलजी वीके सक्सेना द्वारा दिल्ली के अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश पर दिल्ली सरकार ने सवाल उठाया है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता में लापरवाही को लेकर संबंधित अधिकारी की शिकायत एक महीने पहले ही उपराज्यपाल से की गई थी। उन्होंने कहा था कि एक अधिकारी सही से काम नहीं कर रहा है।

दिल्ली। एलजी वीके सक्सेना द्वारा दिल्ली के

अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति मामले में जांच की सिफारिश पर दिल्ली सरकार ने सवाल उठाया है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता में लापरवाही को लेकर संबंधित अधिकारी की शिकायत एक महीने पहले ही उपराज्यपाल से की गई थी। सीबीआई जांच की सिफारिश की थी जिसमें कहा गया था कि दिल्ली के अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति किए जाने की सतर्कता विभाग की रिपोर्ट मिली। भारद्वाज ने कहा कि मैं खुद दवाओं का परीक्षण नहीं कर सकता। निर्देश दे सकता हूँ और मैंने ऐसा किया

है। मैंने कहा था कि एक अधिकारी अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है और उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन केन्द्र ऐसा करने के लिए तैयार नहीं है।

एक महीना पहले LG को लिखी थी चिट्ठी: सौरभ

स्वास्थ्य मंत्री ने खुलासा किया कि उन्होंने उपराज्यपाल (एलजी) को एक पत्र लिखकर इस मुद्दे की गहन जांच की मांग की थी। उन्होंने कहा कि एक महीना हो गया है और मैंने एलजी को पत्र लिखा है, लेकिन उन्हें जांच कराने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मंत्री ने आरोपी अधिकारी को पद से हटाने का

आग्रह करते हुए, उस पर पद पर बने रहने पर सवाल उठाया।

21 मार्च को दवाओं के ऑडिट रिपोर्ट मांगी थी

मंत्री ने कहा कि अगर गलत दवाएं आ रही हैं और लोगों की जान खतरे में है, तो वह व्यक्ति अभी भी अपनी सीट पर क्यों है? उसे अब तक हटा दिया जाना चाहिए था। इससे पहले मंत्री ने इस साल 21 मार्च को जारी एक बयान पर प्रकाश डाला। इसमें खरीदी गई दवाओं के ऑडिट के निर्देश दिए गए थे और 24 जुलाई, 2023 को स्वास्थ्य सचिव से एक कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई थी।

डीयू से पढ़ी IAS दुल्हनिया ने विधायक संग लिए सात फेरे, उदयपुर में लिए हुई शादी

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भजनलाल के पोते और आदमपुर से विधायक भव्य बिश्नोई ने आईएएस परी बिश्नोई के साथ शादी रचा ली। इसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा की हैं। यह शादी बहुत ही चर्चा में भी रही। दोनों 22 दिसंबर को शादी के बंधन में बंध गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर शादी के फोटो शेयर करते हुए एक श्लोक भी लिखा है

नई दिल्ली। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भजनलाल के पोते और आदमपुर से विधायक भव्य बिश्नोई ने आईएएस परी बिश्नोई के साथ शादी रचा ली। इसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा की हैं। यह शादी बहुत ही चर्चा में भी रही। दोनों 22 दिसंबर को शादी के बंधन में बंध गए।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर शादी के फोटो शेयर करते हुए एक श्लोक भी लिखा है। उन्होंने धैर्य प्रथिवीवत्सम। रेताइह रेतोभृत्सम। मनोऽहमस्मि वाक्त्वम्। सामाहमस्मि

ऋत्त्वम्। सा मां अनुव्रता भव। श्लोक लिखा। इस बहुचर्चित शादी में सिर्फ हरियाणा ही नहीं सात राज्य और केंद्र शासित राज्यों के 4 लाख से ज्यादा मेहमान शिकरत करेंगे। इसके लिए वीवीआईपी मेहमानों समेत आम लोगों को भी न्योता दिया गया है।

शादी की शुरू हुई तैयारियां

9 दिसंबर को भव्य बिश्नोई का डोरा आने रस्म हुई थी, जिसके साथ ही औपचारिक रूप से उनकी और आईएएस परी की शादी की तैयारियां शुरू हो गई थी। दोनों की शादी 22 दिसंबर को राजस्थान के उदयपुर में हुई।

कौन है IAS परी बिश्नोई

परी का जन्म राजस्थान के बीकानेर में हुआ था। परी राजस्थान के डर की 2020 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वह सिक्रिम के गंगटोक में एसडीएम के पद पर तैनात हैं।

साल 2019 में परी ने यूपीएससी परीक्षा में 30 रैंक हासिल की थी। बताया जा रहा है कि परी ने डेयूटेशन पर हरियाणा में पोस्टिंग

मांगी थी, जिसे स्वीकृति भी मिल गई थी।

पिता रहे सरपंच और मां हैं थानेदार

परी के पिता का नाम मणिमारा बिश्नोई है जो पेशे से वकील हैं, वहीं उनकी मां सुशीला बिश्नोई थानेदार हैं। परी के पिता चार बार लगातार सरपंच भी रह चुके हैं। परी की शुरुआती पढ़ाई अजमेर के सेंट मेरीज स्कूल से हुई और उसके बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए दिल्ली चली आईं।

DU में पढ़ाई के दौरान मिली IAS क्लियर करने की प्रेरणा

परी ने अपनी ग्रैजुएशन की पढ़ाई दिल्ली यूनिवर्सिटी से की जहां से उन्होंने सिविल सर्वेंट बनने की ठान ली। इसके बाद उन्होंने अजमेर के एमडीएस यूनिवर्सिटी से पोस्ट-ग्रेजुएशन किया।

परी ने यूपीएससी की तैयारी के दौरान ही नेट परीक्षा और जेआरएफ के लिए क्वालिफाई कर लिया। लेकिन उनके दिमाग में उनका लक्ष्य साफ था कि उन्हें आईएएस ही बनना है। इस तरह वह अपने तीसरे प्रयास में साल 2019 में सफल हुईं और आईएएस परीक्षा में 30वां रैंक हासिल की।



दिल्ली-जयपुर हाईवे के पास बोरे में मिला लड़की का शव, हत्या के बाद यहां लाकर फेंकने की आशंका

परिवहन विशेष न्यूज़

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर गांव सहरावन के नजदीक हाईवे के बरसाती नाले में बोरे में बंधा हुआ युवती का शव बरामद हुआ है। सहरावन गांव के पूर्व सरपंच ने शव की सूचना मानेसर थाना पुलिस को दी। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। मानेसर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मानेसर। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर गांव सहरावन के नजदीक हाईवे के बरसाती नाले में बोरे में बंधा हुआ युवती का शव बरामद हुआ है। सहरावन गांव के पूर्व सरपंच ने शव की सूचना मानेसर थाना पुलिस को दी। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। मानेसर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पूर्व सरपंच संजय सुबह सैर करने के लिए निकले थे, तब उन्हें बोरे में बंद शव दिखाई दिया। इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस के साथ-साथ एफएसएल टीम भी पहुंची और बोरे की जांच की गई। इसके अंदर से 20 से 25 वर्षीय युवती का शव बरामद किया गया। शव के पास से ऐसी कोई भी वस्तु नहीं मिली, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। युवती के शरीर और मुंह पर चोट के निशान हैं। मानेसर थाने के अतिरिक्त थाना प्रबंधक सब इंस्पेक्टर बलराज ने बताया कि अभी शव को कब्जे में ले लिया गया है। मामला दर्ज नहीं किया गया है। शव की पहचान के लिए कोशिश की जा रही है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई। सीसीटीवी फुटेज से



यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि युवती का शव यहां कब और कैसे फेंका गया। वहीं, उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने युवती की हत्या के बाद शव को यहां फेंकने की आशंका जताई है। इससे पहले भी मानेसर घाटी के आसपास शव बरामद हुए हैं। बीते तीन वर्षों में 10 से ज्यादा शव और कंकाल घाटी से मिल चुके हैं। वहीं, इसमें से कड़्यों की पहचान भी नहीं हो पाई है। 15 दिन पहले ही सहरावन के पास घाटी से एक महिला और एक पुरुष का कंकाल बरामद किया गया था। दोनों कंकालों की पहचान नहीं हो पाई थी। महिला के कंकाल मिलने के मामले में हत्या का केस दर्ज किया गया था। युवती का शव बरामद किया गया है। प्रथम दृष्टया हत्या के बाद शव को बोरे में बांधकर यहां फेंके जाने की बात सामने आई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह साफ हो जाएगा कि युवती की मौत कैसे हुई है। मामले की जांच की जा रही है। -सुरेंद्र सिंह, एसीपी मानेसर

बेटी पैदा होने और दहेज के लिए पति ने की महिला से मारपीट, गर्भ गिरा

पीड़िता ने खोड़ा थाने पहुंच कर पति के खिलाफ तहरीर दी। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने महिला का मेडिकल परीक्षण कराया। आरोपित के खिलाफ मारपीट दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपित की तलाश की जा रही है। मूल रूप से एटा की रहने वाली महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि दो वर्ष पूर्व उसकी शादी खोड़ा के युवक से हुई थी।



गान्जियाबाद। खोड़ा थाना क्षेत्र की एक कालोनी की महिला को पति ने मारपीट की। मारपीट में महिला का गर्भ गिर गया। आरोप है कि बेटी पैदा होने से और अतिरिक्त दहेज की मांग कर उनका उत्पीड़न करता है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूल रूप से एटा की रहने वाली महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि दो वर्ष पूर्व उसकी शादी खोड़ा के युवक से हुई थी। शादी के बाद से ही पति मारपीट और गाली गलौज करता है। अतिरिक्त दहेज की मांग करता है। घर से निकालने की देता है धमकी बेटी पैदा होने पर ताना देने लगा। घर पर अकेले छोड़कर चला जाता है। घर से निकालने की धमकी देता है। बीते बृहस्पतिवार को उनसे मारपीट की। इससे उनके गर्भगिर गया। पीड़िता ने खोड़ा थाने पहुंच कर पति के खिलाफ तहरीर दी। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने महिला का मेडिकल परीक्षण कराया। आरोपित के खिलाफ मारपीट, दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपित की तलाश की जा रही है।

निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से दो बहनों की दबकर मौत, 5 अन्य घायल



नोएडा में दादरी के समाधिपुर में रविवार को निर्माणाधीन मकान की छत गिरने की सूचना मिली है। बताया जा रहा है कि मकान के मलबे में दो बहनें दब गई थी जिसकी मौत हो गई। वहीं घटना में पांच अन्य शख्स भी दब गए थे। वे इस घटना में घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।



ग्रेटर नोएडा। नोएडा में दादरी के समाधिपुर में रविवार को निर्माणाधीन मकान की छत गिरने की सूचना मिली है। बताया जा रहा है कि मकान के मलबे में दो बहनें दब गई थी, जिसकी मौत हो गई। वहीं घटना में पांच अन्य शख्स भी दब गए थे। वे इस घटना में घायल हुए हैं। पुलिस को घटना की सूचना दी गई है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रविवार को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में शामिल होने के लिए जाना था।

'डीएम साहब चाय के 700 रुपये आप लीजिए, अपमान नहीं सहेंगे हम', CM योगी से मुलाकात न होने पर BJP नेताओं ने लिखी चिट्ठी

परिवहन विशेष न्यूज़

गान्जियाबाद जल निगम के गेस्ट हाउस में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री योगी से मिलने के लिए पहुंचे। इनका आरोप है कि उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से नहीं कराई गई। इस पर जब उन्होंने आपत्ति जताई तो जिलाधिकारी ने कहा कि हमने तो आपको सम्मान देते हुए चाय पिलाई है। इसपर उन्होंने कहा कि डीएम साहब चाय के 700 रुपये आप लीजिए हम अपमान नहीं सहेंगे।

गान्जियाबाद। जल निगम के गेस्ट हाउस में रविवार सुबह नौ बजे शहर के भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री से मिलने के लिए पहुंचे। इनका आरोप है कि उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से नहीं कराई गई। इस पर जब उन्होंने आपत्ति जताई और अपमान होने की बात कही तो जिलाधिकारी ने कहा कि हमने तो आपको सम्मान देते हुए चाय पिलाई है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बीजेपी के नेताओं ने 700 रुपये नकद एक पत्र के साथ जिलाधिकारी को भेजे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रविवार को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में शामिल होने के लिए जाना था। इससे पहले जल निगम के गेस्टहाउस में सुबह नौ बजे भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर, पूर्व विधायक रूप चौधरी, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरौही, पूर्व विधायक

प्रशान्त चौधरी, भाजपा नेता पृथ्वी सिंह, अजय गर्ग, पवन गोयल, विजय मोहन, अनिल स्वामी, विरेश्वर त्यागी, राजेन्द्र त्यागी और सरदार एसपी सिंह मुख्यमंत्री से मिलने के लिए पहुंचे।

हॉल में बैठाकर चाय और नाश्ता दी गई

भाजपा नेताओं का कहना है कि पहले उन्हें एक हॉल में बैठा दिया गया। इसके बाद उनसे कहा गया कि आप लोग नाश्ता कर लें और चाय पी लें। करीब आधे घंटे के बाद उनसे कहा गया कि आप सभी निकासी द्वार पर पहुंचें। इन सबके वहां पहुंचते ही पुलिस ने उन्हें लाइनअप करने के लिए कहा। इस पर भाजपा नेताओं ने कहा कि वे मुख्यमंत्री से मिलने के लिए आए हैं। इसके लिए हमें बकायादा पास जारी किए गए हैं। हम लाइनअप नहीं होंगे।

जिलाधिकारी ने कहा- आपको सम्मान में चाय पिलाई

पुलिस और भाजपा नेताओं के बीच बहस होता देख वहां जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह पहुंचे तो भाजपा नेताओं ने कहा कि उनको मुख्यमंत्री से न मिलवाकर लाइनअप होने के लिए कहकर उनको अपमानित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा- ऐसा नहीं है आपका सम्मान है। सम्मान में आपको चाय भी पिलाई गई है। इस बीच मुख्यमंत्री वहां से काफिले के साथ निकल गए। भाजपा नेताओं की उन्हास मुलाकात नहीं हो पाई। गेस्टहाउस से वापस आने के बाद भाजपा नेताओं ने



जिलाधिकारी को संयुक्त रूप से एक पत्र लिखा और उसके साथ 50 रुपये प्रति चाय का दाम लगाकर कुल सात सौ रुपये पत्र के साथ डीएम को भेजे हैं।

कमिशनरेट सिस्टम लागू होने के बाद पास मेरे द्वारा जारी नहीं किया जाता है। पत्र से ही दाम लगाकर कुल सात सौ रुपये पत्र के साथ सम्मान दिया गया। उनके पास जो पास था वह

विदाई के वक्त मुख्यमंत्री के सामने खड़े होकर मुलाकात करने का था। अलग से मिलने का कोई पास नहीं था। -**राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी**

यूपी में राज्यसभा और विधान परिषद चुनाव में बीजेपी नये चेहरों पर लगा सकती है दांव

अजय कुमार

विधानसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से राज्यसभा से एक प्रत्याशी जिताने के लिए 37 वोट की जरूरत होगी। सपा के पास 109 और रालोद के पास 9 विधायक हैं। ऐसे में 118 विधायकों के साथ सपा कम से कम तीन सीटें जीतने की स्थिति में होगी।

आम चुनाव से पूर्व उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष अप्रैल में राज्यसभा की भी 10 सीटों पर और मई में विधान परिषद की 13 सीटों पर चुनाव होगा। इसके अलावा लखनऊ पूर्वी की एक विधान सभा सीट पर भी चुनाव होना है। यहां के भाजपा विधायक गोपाल जी टंडन की हाल ही में मृत्यु हो गई थी। पार्टी के एक उच्च पदस्थ सूत्र का कहना है कि विधान परिषद की कुल 18, राज्यसभा की 10 और लोकसभा की 80 सीटों पर चुनाव से पार्टी नए नेतृत्व को मौका देने की शुरुआत करेगी। इनके जरिये पार्टी प्रदेश में अगड़े, पिछड़े, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग में अपनी नई लीडरशिप भी तैयार करेगी। पार्टी जिन्हें फिर से विधान परिषद, लोकसभा या राज्यसभा जाने का मौका नहीं देगी, उन्हें भी संगठन से जुड़ी कोई न कोई जिम्मेदारी दी जाएगी। जातीय समीकरण साधते हुए इन सीटों पर नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। इसके अलावा इसमें महिला

और युवाओं की संख्या बढ़ाई जाएगी। टिकट पाने वालों में पंचायतीराज और नगरीय निकाय संस्थाओं के जनप्रतिनिधि, सहकारी संस्थाओं में चुने हुए प्रतिनिधि, पार्टी के पूर्व व वर्तमान पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

बहरहाल, आम चुनाव तो अगले वर्ष के मध्य से कुछ पूर्व होना है, परंतु इससे पूर्व बीजेपी को कुछ और चुनावों का भी सामना करना है। कुछ दिनों के भीतर सबसे पहले पूर्व लखनऊ पूर्व विधान सभा सीट पर चुनाव होना है। यह सीट बीजेपी विधायक गोपाल जी टंडन की मौत के बाद खाली हुई है। आम चुनाव से पूर्व इस सीट को जीतने के लिए बीजेपी ने पूरी ताकत लगा दी है। वह नहीं चाहती है कि यह सीट उसके हाथ से निकल जाये। यदि यहां बीजेपी हार गई तो इसका गलत मैसेज आम चुनाव में भी जायेगा। इसी के साथ कुछ महीनों के भीतर यूपी में राज्यसभा और विधान परिषद की कुछ रिक्त सीटों के लिए भी चुनावी बिसात सजेगी। बता दें कि राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के कोटे की 10 सीटों का कार्यकाल आम चुनाव से पहले 2 अप्रैल, 2024 को खत्म हो जायेगा। वहीं, विधान परिषद में भी विधायक कोटे की 13 सीटें 5 मई को खाली हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के साथ बीजेपी एवं अन्य दलों को इन सीटों का गुणा-भाग भी दुरुस्त करना पड़ेगा। यूपी कोटे की राज्यसभा की जो 10 सीटें खाली हो रही हैं, उसमें फिलहाल 9 सीटों पर भाजपा का कब्जा है। सपा से एक मात्र सीट जया बच्चन की खाली होगी। चुनाव आयोग अगले वर्ष मार्च में इसके लिए



चुनाव कार्यक्रम घोषित कर सकता है। वहीं, विधान परिषद में खाली हो रही 13 सीटों में 10 भाजपा, एक उसके सहयोगी अपना दल और 1-1 सपा और बसपा के पास हैं। 15 मई के पहले इन सीटों पर भी चुनाव प्रस्तावित है।

बात राज्य सभा की जो दस सीटें रिक्त हो रही हैं, उसके बारे में की जाये तो इसमें से एक सीट पर मार्च 2018 को हुए राज्यसभा चुनाव में सपा ने जया बच्चन को मैदान में उतारा था और वह चुनाव जीत गई थीं। वहीं एक अन्य सीट पर 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले मायावती से दोस्ती का हाथ बढ़ाने की कोशिश में लगी सपा ने बसपा उम्मीदवार भीमराव आंबेडकर को समर्थन दिया था। हालांकि, क्रॉस वोटिंग व संख्या गणित में भाजपा भारी पड़ी और उसने अपने 9

उम्मीदवार जिता लिए थे। सपा से जया बच्चन तो चुनाव जीत गईं, लेकिन बसपा से भीमराव हार गए थे। 2022 के चुनाव के बाद विधानसभा के बदले गणित के चलते इस बार भाजपा के लिए सभी सीटों को बचा पाना मुश्किल होगा, जबकि सपा के पास राज्यसभा में संख्या बढ़ाने का मौका होगा।

बता दें कि विधानसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के हिसाब से राज्यसभा से एक प्रत्याशी जिताने के लिए 37 वोट की जरूरत होगी। सपा के पास 109 और रालोद के पास 9 विधायक हैं। ऐसे में 118 विधायकों के साथ सपा कम से कम तीन सीटें जीतने की स्थिति में होगी। सत्तारूढ़ गठबंधन के पास कुल 279 (भाजपा-254, अपना दल (एस)-13, निषाद पार्टी-6, सुभासपा-6)

परिषद में इस समय कांग्रेस का कोई भी सदस्य नहीं है। ऐसा पहली बार हुआ है। पिछले साल जुलाई में कांग्रेस पहली बार यूपी के विधान परिषद में शून्य पर पहुंच गई थी। कांग्रेस की स्थिति में फिलहाल आगे भी सुधार होते नहीं दिख रहा है। यही स्थिति इस बार मई में विधान परिषद में बसपा की भी हो सकती है। वह भी शून्य पर पहुंच जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। उसके पास केवल एक विधायक है और इस आधार पर उसका उम्मीदवार पचां भी नहीं भर सकता, क्योंकि नामांकन के लिए एपी 10 प्रस्तावक की जरूरत होती है। विधानसभा के मौजूदा गणित के हिसाब से विधान परिषद में एक प्रत्याशी जिताने के लिए 29 विधायक की जरूरत पड़ेगी। अगर सत्तापक्ष और विपक्ष अपने मौजूदा

सभी सहयोगियों को चुनाव होने के समय तक साथ रखने में सफल रहते हैं तो भाजपा गठबंधन कम से कम 9 और सपा-रालोद गठबंधन 4 सीटें जीतने की स्थिति में होगा। इसका एक बड़ा फायदा सपा के लिए यह होगा कि एक बार फिर वह विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की सीट की दावेदार हो जाएगी। परिषद में अभी उसके 9 सदस्य हैं और नेता प्रतिपक्ष के लिए जरूरी 1/10 सदस्य के मानक से वह एक पीछे है। 15 मई को खाली हो रही सीटों के हिसाब से सपा की सदस्य संख्या घटकर 8 रह जाएगी। सपा के पास अपने 109 विधायक हैं। ऐसे में कम से कम 3 सीट वह अपने दम पर भी जीतने की स्थिति में है। लिहाजा, परिषद में उसका दहाई में जाना तय है और उसे नेता प्रतिपक्ष का पद वापस मिल जाएगा।

भाजपा के जिन राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है उसमें अनिल अग्रवाल, अशोक वाजपेयी, अनिल जैन, किता कर्दम, सकलदीप राजभर, जीवीएल नरसिम्हा राव, विजय पाल तोमर, सुधांशु त्रिवेदी, हरनाथ सिंह यादव और सपा की जया बच्चन शामिल हैं। इसी प्रकार विधान परिषद में जिन नेताओं का कार्यकाल खत्म होने वाला है उसमें भाजपा के यशवंत सिंह, विजय बहादुर पाठक, विद्या सागर सोनकर, सरोजनी अग्रवाल, अशोक कटारिया, अशोक धवन, बुक्कल नवाब, महेंद्र कुमार सिंह, मोहसिन रजा, निर्मला पासवान शामिल हैं। वहीं अपना दल (एस) के आशीष पटेल, सपा के नरेश चंद्र उत्तम और बसपा के भीमराव आंबेडकर शामिल हैं।

सीने में दो गोली मारकर महिला की हत्या, शव को हरियाणा बॉर्डर पर बांध किनारे फेंका

ग्रेटर नोएडा के अट्टा गुजरान गांव में सड़क किनारे महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के दो गोलियां सीने में लगी हुई हैं। शव की अभी तक पहचान नहीं हो पा रही है। आशंका जताई गई है कि महिला की उम्र 30 से 35 के करीब है। गोली लगने के अलावा शरीर के कई अन्य जगह भी चोट के निशान मिले हैं।

दनकौर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के अट्टा गुजरान गांव के समीप स्थित यमुना नदी के बांध के पास महिला का शव गोली लगी अवस्था में मिला है। शरीर पर गोлияं के निशान हैं। जहां शव मिला वहां से हरियाणा का बॉर्डर कुछ ही दूरी पर है। ऐसे में आशंका है कि हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाने के मकसद से बांध किनारे फेंका गया है।

राहगीरों द्वारा दी गई सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। महिला के शव की पहचान नहीं हो पाई है। पहचान के लिए पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से संपर्क शुरू कर दिया है। रविवार दोपहर बाद पुलिस को सूचना मिली कि यमुना नदी के बांध के नजदीक एक महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना के बाद

पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां देखा कि करीब 30 वर्षीय अज्ञात महिला का शव झाड़ियों में पड़ा हुआ है। जिसके सीने में गोली और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान मिले। सूचना मिलने के बाद मौके पर आसपास के गांव के लोग भी पहुंच गए। पुलिस का कहना है कि शव के पास से पहचान की कोई वस्तु प्राप्त नहीं हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस को आशंका है कि किसी अन्य स्थान पर महिला की हत्या कर शव को दनकौर क्षेत्र में फेंका गया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से मामले की जांच कर जल्द ही मामले का पर्दाफाश करने का दावा कर रही है। कोतवाली प्रभारी संजय कुमार सिंह का कहना है महिला के शरीर पर चोट के काफी निशान पाए गए हैं। महिला की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। **बिना सीसीटीवी केमरे वाला रूट चुना** महिला की हत्या करने वाले आरोपितों ने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऐसा रूट चुना जहां रास्ते में कोई सीसीटीवी केमरा नहीं है। महिला के शव की पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। आशंका है कि हरियाणा बॉर्डर को प्रवेश करने के बाद शव को दनकौर क्षेत्र में फेंका गया।

भारतीय बाजार में जल्द लॉन्च होगी Mercedes Benz GLs Facelift, जानें इसमें क्या कुछ होगा खास

कंपनी 8 जनवरी 2024 को अपनी लगजरी GLS फेसलिफ्ट SUV को लॉन्च करने वाली है। इस फेसलिफ्ट मॉडल का लुक और इंटीरियर दोनों ही दमदार है। इस 7 सीटर एसयूवी में कैटलाना ब्राउन और ब्राउन थीम वाले अपहोल्स्ट्री का ऑप्शन देगी। इस कार की कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये हो सकती है पीछे की ओर टेललैप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है।

नई दिल्ली। बस अब कुछ ही दिनों में ये साल बीत ही जाने वाला है। नए साल में मर्सिडीज एक बड़ा धमाका करने वाली है। कंपनी 8 जनवरी, 2024 को अपनी लगजरी GLS फेसलिफ्ट SUV को लॉन्च करने वाली है। इस फेसलिफ्ट मॉडल का लुक और इंटीरियर दोनों ही दमदार है। इस 7 सीटर एसयूवी में कैटलाना ब्राउन और ब्राउन थीम वाले अपहोल्स्ट्री का ऑप्शन देगी। इस कार की कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये हो सकती है।

टेललैप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है

नई मर्सिडीज बेंज GLS में मौजूदा मॉडल की तुलना में स्टाइलिंग में मामूली बदलाव किए गए हैं। इसके ग्रिल में 4 हॉरिजॉन्टल लावर्स को सिल्वर शैडो फिनिश दी गई है। कार में फ्रंट बंपर हाई-ग्लोस ब्लैक सराउंड के साथ एयर इनलेट ग्रिल्स मिलता है। पीछे की ओर टेललैप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है। हेडलैप को नया एलईडी पैटर्न दिया गया है।

फेसलिफ्टेड GLS में अपडेटेड इंफोटेनमेंट मिलेगा

नई फेसलिफ्टेड GLS में अपडेटेड इंफोटेनमेंट मिलेगा, जो 3 अलग-अलग डिस्प्ले मोड-क्लासिक,



स्पोर्टी और डिस्क्रीट के साथ MBUX का लेटेस्ट वर्जन मिलता है। इस लगजरी कार में नया 'ऑफ-रोड' मोड को जोड़ा गया है।

मौजूदा 3.0-लीटर, डीजल इंजन मिल सकता है

इस कार में ऑफ-रोड स्थितिपर चलने के लिए

कंपनी का सिग्नेचर पारदर्शी बोनट होगा। इस कार में मौजूदा 3.0-लीटर, डीजल इंजन के साथ पेश किया जा सकता है।

मारुति की इन कारों को खरीदने से पहले यहां देखें वेटिंग पीरियड, Brezza, Fronx और Grand Vitara तक शामिल

Maruti Brezza waiting period फ्रोंक्स को कंपनी ने इसी साल लॉन्च किया था जबकि ग्रैंड विटारा को बीते साल ही लॉन्च किया गया था। वहीं ब्रेजा को पहली बार साल 2016 में लॉन्च किया गया था और बीते साल इसका फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया गया था प्रोडक्शन बढ़ाने से मारुति को ग्रैंड विटारा और ब्रेजा का वेटिंग पीरियड कम करने के लिए मदद मिलेगी।



नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। इस साल मारुति ने अपनी कई कारें लॉन्च की हैं। ब्रेजा, फ्रोंक्स और ग्रैंड विटारा इन दिनों मारुति की सबसे अधिक बिकने वाली कार में से एक है। फ्रोंक्स को कंपनी ने इसी साल लॉन्च किया था जबकि ग्रैंड विटारा को बीते साल ही लॉन्च किया गया था। वहीं ब्रेजा को पहली बार साल 2016 में लॉन्च किया गया था और बीते साल इसका फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया गया था। इन तीनों को लोगों द्वारा काफी अधिक पसंद किया गया है। बढ़ती डिमांड के कारण इस कार की वेटिंग पीरियड बढ़ गया है।

ग्रैंड विटारा का वेटिंग पीरियड 5 महीने से घटाकर 2.5 महीने का रह गया है प्रोडक्शन बढ़ाने से मारुति को ग्रैंड विटारा और ब्रेजा का वेटिंग पीरियड कम करने के लिए मदद मिलेगी। ग्रैंड विटारा का वेटिंग पीरियड 5 महीने से घटाकर 2.5 महीने का रह गया है। वहीं ब्रेजा का वेटिंग पीरियड 1 महीने का हो गया है जो कि पहले 4.5 महीने तक था। वहीं मारुति फ्रोंक्स के लिए इस कार का वेटिंग पीरियड 3.5 महीने तक हो गया है। ब्रेजा की हर महीने लगभग 14 हजार से अधिक यूनिट सेल हो रही है। ग्रैंड विटारा की लगभग 11,000 से 12,000 यूनिट सेल हो रही हैं। इसके अलावा, फ्रोंक्स की हर महीने औसतन 13,500 यूनिट सेल हो रही है। जिन्मी की हर महीने 4 हजार से 5 हजार यूनिट सेल हो रही है। इस महीने कंपनी की एसयूवी सेगमेंट में 22.5 प्रतिशत की मार्केट में हिस्सेदारी है।

Brezza, Fronx और Grand Vitara की कीमतें भारतीय बाजार में ब्रेजा की कीमत 8.29 लाख रुपये से 14.14 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तक है। वहीं फ्रोंक्स की कीमत 7.46 लाख रुपये से लेकर 13.14 लाख रुपये तक है। ग्रैंड विटारा की कीमत 10.70 लाख रुपये से 19.99 लाख रुपये एक्स शोरूम कीमत है।

100 सीसी सेगमेंट में सबसे अधिक बिकती है Bajaj और Hero की ये शानदार बाइक, यहां पढ़ें इंजन से फीचर्स तक की डिटेल्स

Best Mileage Bike ये कम खर्च में सबसे अधिक माइलेज देने वाली बाइक्स है। ऐसे में आप फ्यूल भी बचा सकते हैं और आपके जेब पर भी असर कम पड़ता है। इस खबर के माध्यम से आपको इन दोनों बाइक्स के फीचर्स इंजन और कीमत के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

भारतीय बाजार में टू-व्हीलर की डिमांड काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। इस समय सबसे अधिक बिकने वाली दो मोटरसाइकिल बिक रही है। Bajaj Platina 100 और Hero SPLENDOR+ XTEC इस समय काफी अधिक बिक रही है। ये दोनों बाइक्स 100 सीसी सेगमेंट में आती है। ये कम खर्च में सबसे अधिक माइलेज देने वाली बाइक्स है। ऐसे में आप फ्यूल भी बचा सकते हैं और आपके जेब पर भी असर कम पड़ता है। आज हम इस खबर के माध्यम से आपको इन दोनों बाइक्स के फीचर्स इंजन और कीमत के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

Hero SPLENDOR+ XTEC फीचर्स

मार्केट में हीरो लोगों के दिलों पर आज से ही नहीं कई समय से राज करते आ रही है। इस बाइक में आपको कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसमें आपको डिजिटल कंसोल, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और रियल टाइम माइलेज रीडआउट भी मिलता है। इसके साथ ही इसमें साइड स्टैंड, इंजन कटऑफ और कॉल-एसएमएस अलर्ट जैसे शानदार फीचर्स भी मिलते हैं। यहीं खासियतें इस मोटरसाइकिल को काफी दमदार बनाती है जिसके कारण इस बाइक को काफी पसंद किया जाता है।

इंजन

इस मोटरसाइकिल में आपको 4 कलर ऑप्शन-टोरनाडो ग्रे, स्पाइकलिंग बीटा ब्लू, कैनवास ब्लैक और पर्ल वाइट मिलते हैं। इस बाइक के इंजन की बात करें तो इसमें 97.2cc का इंजन मिलता है। ये एयर कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन के साथ आती है। जो 7.9 बीएचपी की पावर और 8.05 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें इंजन को स्टार्ट और स्टॉप का ऑप्शन मिलता है। इस

बाइक की कीमत 79,911 रुपये है।

Bajaj Platina 100 के फीचर्स और स्पेसिफिकेशन

Bajaj Platina 100 में भी आपको कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसके फ्रेम, एर्गोस्ट और ग्रेब रेल को काले रंग से पेंट किया गया है। इसके अलावा इसके बाइक का डिजाइन काफी दमदार है। आपको दिखने में बेसिक सा लगता है। Bajaj Platina 100 डुअल शॉक सस्पेंशन के साथ 17 इंच के साथ आती है। इसके दोनों टायरों में ड्रम ब्रेक मिलता है। इसमें इलेक्ट्रिक स्टार्ट वर्जन के फ्रंट में डिस्क ब्रेक मिलता है।

इंजन और पावर

Bajaj Platina 100 में 102 सीसी का फ्यूल एंफिशिएंट डीटीएस-आई इंजन मिलता है। जो 7.9 बीएचपी और 8.3 एनएम का आउटपुट जेनरेट करता है। इसमें 11 लीटर का फ्यूल टैंक मिलता है। इस मोटरसाइकिल की कीमत 67,808 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) से शुरू है। इसमें 110 सीसी के ड्रम ब्रेक वेरिएंट की कीमत 70,400 रुपये है।

भारत में लॉन्च हुई नई Apache RTR 160 4V मोटरसाइकिल, इन बाइक्स को देगी कड़ी टक्कर

अन्य हार्डवेयर स्पेक्स 2024 TVS Apache RTR 160 4V के लिए पहले जैसे ही हैं। बाइक को पावर देने वाला 159.7 cc ऑयल कूल्ड SOHC Fi इंजन है। स्पोर्ट मोड में इंजन 17.75 पीएस की अधिकतम पावर और 14.73 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करता है। अर्बन और रेन मोड में आउटपुट 15.64 पीएस और 14.14 एनएम है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है।

नई दिल्ली। टीवीएस ने नई Apache RTR 160 4V को इंडियन मार्केट में लॉन्च कर दिया है। इस बाइक की शुरुआती कीमत 1.35 lakh रुपये एक्स-शोरूम रखी गई है। आइये जानते हैं इस बाइक से जुड़ी सारी जरूरी डिटेल्स के बारे में।

कब शुरू होगी डिलीवरी?

बुकिंग फिलहाल पूरे भारत में शुरू हो गई है और डिलीवरी अगले साल की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है।

पहले से कितना बदल गई ये बाइक?

टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी का 2024 संस्करण एक विशेष लाइटनिंग ब्लू रंग शेड में पेश किया जा रहा है। लाइटनिंग ब्लू अपाचे आरटीआर 160 4वी के लिए बिल्कुल सही लगता है। नया नीला शेड फ्रंट फेंडर, हेडलैप काउल, इंजन काउल, फ्यूल टैंक और काउल और सीट पैनल के नीचे लगाया गया है। बाइक में कॉन्ट्रास्टिंग शेड में स्पोर्टी ग्राफिक्स भी हैं। सीट कवर और अलॉय व्हील्स जैसे हिस्सों पर विपरीत लाल रंगों के साथ शक्ति और प्रदर्शन की भावना को और बढ़ाया जाता है।

कितना दमदार है इसका इंजन?

अन्य हार्डवेयर स्पेक्स 2024 TVS Apache RTR 160 4V के लिए पहले जैसे ही हैं। बाइक को पावर देने वाला 159.7 cc, ऑयल कूल्ड, SOHC, Fi इंजन है। स्पोर्ट मोड में, इंजन 17.75 पीएस की अधिकतम पावर और 14.73 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करता है। अर्बन और रेन मोड में आउटपुट 15.64 पीएस और 14.14 एनएम है। इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है।

इन बाइक्स को देगी कड़ी टक्कर

नई टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी होंडा सीबी हॉर्नेट 2.0 और हीरो एक्सट्रीम 160 आर को टक्कर देगी।

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

टोपी, बुर्का, दाढ़ी कांग्रेस को क्यों है प्यारी? हिजाब के प्रति प्रेम दिखाकर क्या कांग्रेस तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पर उतर आयी?



नীরज कुमार दुबे

देखा जाये तो ऐसा प्रतीत होता है कि कर्नाटक सरकार ने आगामी लोकसभा चुनावों की दृष्टि से एक बार फिर धुवीकरण कराने के मकसद से हिजाब पर रोक हटाने का फैसला किया है। हम आपको बता दें कि कर्नाटक में मुस्लिमों की आबादी लगभग 13 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है। वैसे कर्नाटक सरकार को हिजाब पर फैसला करते समय उच्चतम न्यायालय की वृहद पीठ का निर्णय आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए थी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि कर्नाटक हिजाब मामले में जब उच्चतम न्यायालय ने खंडित फैसला सुनाया था तब भी पुरातनपंथियों ने जिस प्रकार के बयान दिये थे वह मुस्लिम लड़कियों की स्वतंत्रता के विरोध में ही थे।

कर्नाटक सरकार को समझना होगा कि हिजाब पहनना भले निजी पसंद का मामला हो लेकिन स्कूलों में उन वस्त्रों को पहनने की



इजाजत कैसे दी जा सकती है जिससे समानता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित होती हो। यहां यह भी प्रश्न खड़ा होता है कि जब कई देशों में इस्लाम आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है तो हमारे यहां के कट्टरपंथी इसे पीछे ले जाने पर क्यों आमादा हैं? देखा जाये तो कर्नाटक सरकार का यह फैसला शिक्षण संस्थानों की ‘धर्मनिरपेक्ष प्रकृति’ के प्रति चिंता पैदा करता है।

वैसे देखा जाये तो भारत में तुष्टिकरण की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद दूसरे दलों को समझा आया कि तुष्टिकरण की राजनीति के दिन लद गये हैं। मोदी की देखादेखी अन्य नेता भी मॉर्दर्सों में जाने लगे, खुद को सबसे बड़ा तपस्वी बताने लगे, माथे पर चंदन का टीका लगाने लगे, जो नेता पहले सिर्फ मजारों या दरगाहों पर ही जाते थे वह अब आरती करने लगे, व्रत करने लगे और हवन पूजन करने लगे। लेकिन आप विभिन्न राज्यों की राजनीति का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि तुष्टिकरण की राजनीति से तौबा करने का सबक सिर्फ कुछ नेताओं ने ही लिया

है। कई राज्यों में आज भी तुष्टिकरण की राजनीति धड़ल्ले से जारी है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर तो तुष्टिकरण के खूब आरोप लगते रहते हैं, यही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने पिछले दिनों वादा किया था कि विधानसभा चुनावों में यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो इस्लामिक बैंक की स्थापना करेगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद पर रहने के दौरान केसीआर तो तुष्टिकरण की राजनीति के मास्टर बने हुए थे। चुनावों के दौरान वह अपनी सभाओं में अल्लाह का शुक़्क़िया अदा किया करते थे और वादा किया था कि उनकी पार्टी यदि चुनाव जीती तो हैदराबाद में मुस्लिम आईटी पार्क की स्थापना करेगी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल कर्नाटक हिजाब मामले के दौरान तेलंगाना में एक वीडियो सामने आया था जिसमें मंगलसूत्र पहने महिला से परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले मंगलसूत्र उतरवाया जा रहा था तो दूसरी ओर हिजाब पहने लड़की परीक्षा केंद्र में आराम से जा रही थी। केसीआर पर तुष्टिकरण की राजनीति के जो तमाम आरोप लगते हैं उनमें एक कथित आरोप यह

भी था कि पिछले साल ग्रुप 1 की नौकरियों की परीक्षा में उर्दू में उत्तर देने की अनुमति दी गयी थी। तमिलनाडु में द्रमुक सरकार भी तुष्टिकरण की राजनीति को तेजी से बढ़ावा दे रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस तरह की राजनीति कर के हमारे राजनीतिज्ञ उस शपथ का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं जिसके तहत उन्होंने कहा था कि वह बिना किसी भेदभाव के सबके साथ न्याय सुनिश्चित करेंगे?

बहरहाल, जहां तक कर्नाटक के हिजाब मामले की बात है तो यह सही है कि सभी को अपनी पसंद के कपड़े पहनने और भोजन का चयन करने की आजादी है लेकिन जब बात शिक्षण संस्थान की आती है तब यह आजादी सीमित हो जाती है। कहा जा सकता है कि कर्नाटक सरकार ने शिक्षण संस्थानों में धार्मिक परिधान को मंजूरी देकर युवाओं को धार्मिक आधार पर बांटने का काम किया है। जबकि राज्य सरकार को ऐसा माहौल निर्मित करना चाहिए था जहां छात्र धार्मिक प्रथाओं से प्रभावित हुए बगैर शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित कर सकें।

संपादक की कलम से

स्वदेशी के मंत्र ने भारत के आर्थिक विकास को नये पंख लगा दिये हैं

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता को संबोधित करते हुए सतत विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर बल दिया। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बॉकल फ़ोर लॉकल का अह्मन आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ़्तार से दौड़ने लगी है। भारत की आर्थिक तरक्की दुनिया को स्तंभित करने लगी है, क्योंकि भारत का घरेलू बाजार ही इतना विशाल है कि भारत को विदेशी व्यापार पर बहुत अधिक निर्भरता नहीं करनी पड़ रही है। भारत के बाजार से कई देशों का आर्थिक विकास होता रहा है, अब स्वदेशी जागरण से देश का अर्थ देश में ही रहने लगा है।

चीन की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से दौड़ी थी और चीन के आर्थिक विकास में विदेशी व्यापार का सर्वाधिक योगदान था परंतु आज भारत की आर्थिक प्रगति में घरेलू कारकों एवं मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का प्रमुख योगदान है। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, भारत की आर्थिक वृद्धि केवल 7 प्रतिशत से कम होने का अनुमान है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। सकल घरेलू उत्पाद 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर जाएगा। भारत की ‘नीली अर्थव्यवस्था’ का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 4 प्रतिशत का योगदान है, जो अवसरों के सागर का प्रतिनिधित्व करता है। तट के किनारे नौ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों, 12 प्रमुख और 200 से अधिक गैर-प्रमुख

बंदरगाहों और नौगम्य जलमार्गों के व्यापक नेटवर्क के साथ, भारत महासागर आधारित व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खड़ा है। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री की नित-नयी आर्थिक योजनाओं, अपनी जड़ों एवं माटी से जुड़ने, स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा एवं विदेश यात्राओं का भी योगदान है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर (आईएमईसी) सबसे आशाजनक कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। 118वें जी-20 शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित, आईएमईसी एक मल्टीमॉडल आर्थिक गलियारा है जिसमें शिपिंग, रेलवे, रोडवेज, बिजली केबल, हाई-स्पीड डेटा केबल और एक हाइड्रोजन पाइपलाइन शामिल है। गलियारे का उद्देश्य परिवहन दक्षता को बढ़ाना, रसद लागत को कम करना, आर्थिक एकता को बढ़ावा देना, रोजगार उत्पन्न करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके एक स्वच्छ, सुरक्षित दुनिया में योगदान देना है। भारत चीन से भी आगे निकलकर विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है, बड़ी आबादी को आर्थिक विकास का माध्यम बनाने में सरकार की सूझबूझ एवं योजनाएं कारगर साबित हो रही हैं। बड़ी आबादी के अनेक तरह के नुकसान हैं तो इसी से भारत में उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह भारत न केवल उत्पादों के उपभोग का प्रमुख केंद्र बन बन रहा है बल्कि विश्व के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत पूर्व में ही वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

राय

अंतरिक्ष में नासा के दबदबे को खत्म करने का संकल्प पूरा करने के करीब पहुँच चुका है चाइना

को अंतरिक्ष में अपने मिशनों के लिए एक विकल्प की जरूरत है जोकि वह उपलब्ध करायेगा। जरा सोचिये! चीन जब धरती पर रह कर ही दुनिया की इतनी जासूसी करता है तो ऐसे में यदि अंतरिक्ष में उसकी बादशाहत हो गयी तो वह अपना पूरा अमला ही दुनिया की निगरानी करने में लगा देगा। जहां तक अंतरिक्ष में चीनी स्टेशन की बात है तो उसके बारे में बताया गया है कि चीनी अंतरिक्ष स्टेशन का परिचालन जीवनकाल 15 वर्ष से अधिक होगा। पहले इसका जीवनकाल मात्र 10 वर्षों का ही बताया गया था। हम आपको बता दें कि चीन का स्व-निर्मित अंतरिक्ष स्टेशन, जिसे तियांगोंग या चीनी में सेलेस्टियल पैलेस के रूप में भी जाना जाता है, वह 2022 के अंत से पूरी तरह चालू हो गया है। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन 450 किमी (280 मील) की कक्षीय ऊंचाई पर है और अभी यहां अधिकतम तीन अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। अभी चीन का जो अंतरिक्ष स्टेशन है वह आईएसएस के मुकाबले 40 प्रतिशत ही है क्योंकि नासा के नेतृत्व वाला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक साथ सात अंतरिक्ष यात्रियों को संभाल सकता है जबकि चीन का स्टेशन मात्र तीन अंतरिक्ष यात्रियों को ही एक साथ रख सकता है। इसलिए चीन ने अब अपने अंतरिक्ष स्टेशन के छह मॉड्यूल तक विस्तार की योजना बनाई है। हम आपको बता दें कि दो दशकों से ज्यादा समय से अंतरिक्ष में मौजूद आईएसएस के 2030 के बाद निष्क्रिय होने की उम्मीद है। उससे पहले चीन का प्रयास है कि वह एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति बन जाये। हम आपको यह भी बता दें कि चीन के सरकारी मीडिया ने पिछले साल कहा था कि तियांगोंग पूरी तरह से चालू हो गया है। चीन ने यह भी कहा था कि ऐसे में जबकि आईएसएस अपना जीवनकाल समाप्त होने की ओर बढ़ रहा है तब चीन अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों में कोई ढील नहीं देगा। चीन का यह भी दावा है कि कई देशों ने अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चीनी स्टेशन पर भेजने के लिए आह्वान करना शुरू भी कर दिया है। हालांकि चीन के दावे पर एक तरह से सवाल उठाते हुए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने कहा है कि उसके पास चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने यात्रियों को भेजने के लिए बजट ही नहीं था इसलिए यूरोपीय अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना को बहुत पहले ही ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। बहरहाल, जहां तक चीन की अंतरिक्ष कूटनीति की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह वर्षों से इस दिन की प्रतीक्षा के लिए प्रयास कर रहा था और अब वह अंतरिक्ष में नासा के दबदबे को खत्म करने का संकल्प पूरा करने के करीब पहुँच चुका है। हालांकि विस्तारवादी चीन के खतरनाक मंसूबों ने अंतरिक्ष में एक नई दौड़ को जन्म दे दिया है। देखा जाये तो आईएसएस से अलग होने के बाद चीन अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने बढ़ते प्रभाव के चलते अमेरिका के लिए बहुत बड़ी चुनौती भी बन गया है। वैसे, अंतरिक्ष में सिर्फ चीन ही अपना सिक्का नहीं जमा रहा बल्कि भारत और रूस समेत अन्य देश भी अपनी योजनाएं बना रहे हैं। आईएसएस से अलग होने की घोषणा के बाद रूस ने भी अंतरिक्ष कूटनीति की कुछ योजनाएं बना कर काम शुरू कर दिया है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने पिछले साल कहा था कि वह छह मॉड्यूल वाला एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना बना रही है, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री रह सकेंगे। हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स समूह में रूस के भागीदार देश ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका भी अपने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक मॉड्यूल का निर्माण करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

पाकिस्तान के अपने कर्मों ने ही तालिबान को बना दिया है उसका दुश्मन

पाकिस्तानी सेना के अनुरोध पर अफगान तालिबान ने टीटीपी और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थ के रूप में काम किया और काबुल में शांति वार्ता की मेजबानी की। हालाँकि, टीटीपी के साथ बातचीत के दौरान पाकिस्तान ने जो दोहरी भूमिका निभाई, उससे अफगान तालिबान नाराज हो गया।



हाल ही में एक नाटकीय खुलासा हुआ कि कुख्यात हक़ानी नेटवर्क के प्रमुख और तालिबान की अंतरिम सरकार में गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक़ानि के पास पाकिस्तानी पासपोर्ट था और उसे रद्द कर दिया गया है। यह घटनाक्रम थोड़ा अजीब था क्योंकि हक़ानी नेटवर्क को पाकिस्तान का पुराना सहयोगी माना जाता है। लेकिन पिछले कुछ समय देखने में आया है की पाकिस्तान और उसके चहेते हक़ानी नेटवर्क के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। सिराजुद्दीन हक़ानी ने पाकिस्तान की अफगान नीतियों की आलोचना की जैसे- उन्होंने अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान से निष्कासित करने के पाकिस्तान सरकार के फैसले को रैगैरइस्लामिकर बताया। कई विश्लेषकों का मानना है कि हक़ानी का पाकिस्तानी पासपोर्ट रद्द कर के तालिबान शासन को कड़ा संदेश देने की कोशिश की गयी। पिछले महीने अफगानिस्तान के लिए अफगानों को रूपाकिस्तान या टीटीपी को चुनना होगा। पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद और काबुल के बीच तापमान बढ़ रहा है। टीटीपी पर लगाम लगाने से इंकार करके, पाकिस्तान का मानना है कि मौजूदा अफगान शासन ने पहले ही अपनी पसंद बना ली है। और अब इस्लामाबाद पाकिस्तान से

लाखों अफगान शरणार्थियों को बाहर निकाल कर, प्रमुख सीमा मार्ग बंद करके और हाल के महीनों में अफगान पारगमन माल को अस्थायी रूप से रोककर अफगान तालिबान को मजबूर करने की कोशिश कर रहा है। अफ़गान-पाक क्षेत्र पर नज़र रखने वाले कई विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान और तालिबान के बीच संबंध, जो दशकों से करीबी सहयोगी के रहे हैं, संकट के बिंदु पर पहुंच गए हैं तनाव के और बढ़ने से दोनों देशों के सुरक्षा और आर्थिक हितों को नुकसान हो सकता है।

वर्तमान में, पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच विवाद का मुख्य कारण तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है जिसे पाकिस्तानी तालिबान के नाम से अधिक जाना जाता है, लेकिन अन्य कारण भी हैं जो द्विपक्षीय संबंधों को खराब करने में योगदान दे रहे हैं। आइए इन पर एक नज़र डालें।

गहरा अविश्वास- तालिबान पाकिस्तान के प्रतिनिधि के रूप में काम करना या दिखना भी नहीं चाहता। उन्हें अब पाकिस्तानी सरकार विशेषकर उसके सैन्य प्रतिष्ठान पर भरोसा नहीं है, क्योंकि अमेरिकी दबाव के कारण वह जल्द ही दुश्मन बन गया और तालिबान नेताओं को संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंपने की हद तक चला गया। पाकिस्तान के इस विश्वासघात को तालिबान ने हमेशा याद रखा और नाराजगी जताई। जब अमेरिकी सेनाएं

अफगानिस्तान में थीं, तब तालिबान ने राजनीतिक सुविधा और पनाहगहों की आवश्यकता के कारण पाकिस्तान के साथ संबंध बहाल किए और बनाए रखे। लेकिन अब पनाहगहों की जरूरत नहीं है, इसलिए तालिबान को अपने अस्तित्व के लिए पाकिस्तान पर निर्भर रहने की कोई जरूरत नहीं है।

सीमा विवाद- पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच तनाव का एक और महत्वपूर्ण कारण अफ-पाक सीमा है जिसे आमतौर पर डूरंड रेखा के रूप में जाना जाता है। तालिबान, सभी पूर्ववर्ती अफगान सरकारों की तरह, डूरंड रेखा को दोनों देशों के बीच की सीमा के रूप में मान्यता देने के लिए तैयार नहीं है। वास्तव में, पाकिस्तानी सेना और तालिबान बलों के बीच सीमा पर झड़पों की एक श्रृंखला हुई है, एक ऐसा घटनाक्रम जिसने शुरू में कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया था।

पाकिस्तान द्वारा शांति वार्ता का शोषण- पाकिस्तानी सेना के अनुरोध पर अफगान तालिबान ने टीटीपी और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थ के रूप में काम किया और काबुल में शांति वार्ता की मेजबानी की। हालाँकि, टीटीपी के साथ बातचीत के दौरान पाकिस्तान ने जो दोहरी भूमिका निभाई, उससे अफगान तालिबान नाराज हो गया। पाकिस्तान ने टीटीपी के वरिष्ठ कमांडरों को बातचीत की

मेज पर लाने के लिए बातचीत का इस्तेमाल एक जाल के रूप में किया और अफगानिस्तान के अंदर उनमें से कई को निशाना बना के मारा गया।

पाकिस्तान का आर्थिक ब्लैकमेल- पाकिस्तान हमेशा से चाहता है कि अफगानिस्तान आर्थिक रूप से उस पर निर्भर रहे। अफ़गानिस्तान एक ज़मीन से घिरा देश है और इसका अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पाकिस्तान के कराची बंदरगाह के माध्यम से होता है। अफगानों की इस निर्भरता को अफगानिस्तान के लिए एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल कर चुका है। हाल ही में पाकिस्तानियों ने अफगानिस्तान जाने वाले आयात से परे हजारों कंटेनरों के पारगमन को अस्थायी रूप से रोक दिया था, जो महीनों से कराची के बंदरगाह शहर में फंसे हुए थे। वैकल्पिक अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग खोलने के लिए अफगानिस्तान ने देश के दक्षिण-पूर्व में स्थित ईरान के रणनीतिक चाबहार बंदरगाह तक पहुंच के लिए ईरानियों से संपर्क किया है।

रणनीतिक विविधता- तालिबान शासन क्षेत्र के सभी महत्वपूर्ण प्रमुख शक्तियों के साथ कामकाजी संबंध स्थापित करके अपने भूराजनीतिक पोर्टफोलियो में विविधता लाना चाहता है। यही कारण है कि तालिबान ने पारंपरिक रूप से अपेक्षाकृत मधुर भारत-

अफगानिस्तान संबंधों को फिर से स्थापित करने की कोशिश की है। तालिबान अधिकारियों (जिनमें क़बी भारतीया ठिकानों पर हमलों में शामिल लोग भी शामिल थे) ने भारतीय कंपनियों से रुकी हुई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम फिर से शुरू करने का अनुरोध किया है, जिस पर नई दिल्ली सक्रिय रूप से विचार कर रही है। इससे पाकिस्तानी नीति निर्माताओं में चिंता बढ़ रही है।

काबुल में अत्यधिक निर्भर सरकार बनाने का इस्लामाबाद का दीर्घकालिक उद्देश्य अब अंततः धराशायी हो गया है। जैसा कि वर्तमान में सत्तारुढ़ तालिबान शासन के साथ है, जो पाकिस्तान को कोई रणनीतिक लाभ प्रदान करने या सुरक्षा में योगदान देने के बजाय, इस्लामाबाद के लिए एक चिंताजनक राह का कांटो बन गया है। अफगान तालिबान को मजबूर करने के लिए पाकिस्तान अफगान शरणार्थियों को बाहर निकालने जैसे एकतरफा फैसले ले रहा है, लेकिन इन कदमों के काबुल में पाकिस्तान के लिए अभी भी बची हुई थोड़ी-सी राजनीतिक अह्मदायना खत्म हो जाएगी।

दूसरी ओर, यह अफगानिस्तान में पहले से ही व्याप्त पाकिस्तान विरोधी जनमत को और भी प्रबल करेगा। इस्लामाबाद में नीति निर्माताओं को यह स्वीकार करना चाहिए कि उनकी अफगान नीति बुरी तरह विफल रही है और इसमें सुधार की आवश्यकता है।

बिजली पर खाना पकाने के प्रोत्साहन के लिए उठाए जाएंगे कई कदम

इस साल नवंबर में सरकार ने नेशनल इफिशिएंट कुकिंग प्रोग्राम लांच किया था और अब इस प्रोग्राम की गति को तेज करने की तैयारी चल रही है। हालांकि सरकार के पास अभी इस बात को लेकर कोई आंकड़ा नहीं है कि भारत में कितने लोग बिजली पर खाना पकाते हैं। बिजली मंत्रालय के अधीनस्थ काम करने वाली सार्वजनिक कंपनी ईईएसएल सस्ते दाम पर 20 लाख इंडक्शन कुकिंग स्टोव बांटेगी।

नई दिल्ली। इस साल नवंबर में सरकार ने नेशनल इफिशिएंट कुकिंग प्रोग्राम लांच किया था और अब इस प्रोग्राम की गति को तेज करने की तैयारी चल रही है। हालांकि सरकार के पास अभी इस बात को लेकर कोई आंकड़ा नहीं है कि भारत में कितने लोग बिजली पर खाना पकाते हैं।

नवंबर में लांच कुकिंग प्रोग्राम में कहा गया था कि बिजली मंत्रालय के अधीनस्थ काम करने वाली सार्वजनिक कंपनी ईईएसएल सस्ते दाम पर 20 लाख इंडक्शन कुकिंग स्टोव का वितरण करेगी।

इंडक्शन कुकिंग स्टोव का इस्तेमाल
सूत्रों का कहना है कि सरकार के इस प्रोग्राम को अब आगे ले जाने की तैयारी चल रही है। शहरों पर पूरी तरह से बिजली से चलने वाले कुकिंग स्टोव के प्रचलन को बढ़ाया जाएगा। वहीं टियर-2 व टियर-3 शहरों में ग्रीड कनेक्टेड सोलर आधारित इंडक्शन कुकिंग स्टोव का इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं ग्रामीण इलाके में बैटरी स्टोरेज की सुविधा वाले सोलर इंडक्शन स्टोव को प्रोत्साहित किया जाएगा।

इसके अलावा सरकारी पेट्रोलियम कंपनी आईओसी द्वारा विकसित सूर्या नूतन इंडोर सोलर कुकिंग स्टोव का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की तैयारी चल रही है। सूर्या



नूतन रिचार्जबल इंडोर कुकिंग सोल्यूशन है जो सूर्य से ऊर्जा प्राप्त कर उसे उष्मा में परिवर्तित करता है। इसके लिए उसके भीतर विशेष प्रकार का हीटिंग तत्व लगाया गया है। सूर्या नूतन का देश के पांच शहरों में ट्रायल भी किया गया है और यह स्टोव चार व्यक्ति का खाना पकाने

के लिए सक्षम है।
कम बिजली की होगी खपत
ईईएसएल सस्ते दाम पर कम बिजली खपत करने वाले पंखे व एसी का वितरण बिजली वितरण कंपनियों के माध्यम से कर रही है। सूत्रों का कहना है कि इस मॉडल को

अपना कर स्टार रेटिंग वाले बिजली के कुकिंग स्टोव का वितरण बड़े शहरों में किया जाएगा। बिजली से खाना पकाने का चलन बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। गैस सिलेंडर का इस्तेमाल कम होने से आयात बिल भी कम होगा।

अप्रैल-नवंबर में बढ़ा घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन, 779.1 बिलियन यूनिट पहुंचा आंकड़ा



शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2024 में अप्रैल और नवंबर के बीच कोयला आधारित बिजली उत्पादन 8.38 प्रतिशत बढ़कर 779.1 बिलियन यूनिट (बीयू) हो गया। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन 718.83 बीयू था। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान भारत का बिजली उत्पादन 7.71 प्रतिशत बढ़ा।

नई दिल्ली। घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन अप्रैल-नवंबर वित्त वर्ष 2024 में 8.38 प्रतिशत बढ़कर 779.1 बिलियन यूनिट (बीयू) हो गया, शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया। एक साल पहले की अवधि में घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन 718.83 बीयू था।

कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समीक्षाधीन अवधि में भारत का बिजली उत्पादन 7.71 प्रतिशत

बढ़ा।
तापमान में अभूतपूर्व वृद्धि, देश के उत्तरी क्षेत्र में मानसून में देरी और कोविड के बाद पूर्ण वाणिज्यिक गतिविधियों की बहाली के कारण इस अवधि के दौरान कुल कोयला आधारित बिजली उत्पादन में साल-दर-साल 11.19 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता
बिजली की बढ़ती मांग के बावजूद, मिश्रण के लिए कोयले का आयात चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक 44.28 प्रतिशत कम होकर 15.16 मिलियन टन (एमटी) हो गया, जो एक साल पहले की अवधि में 27.21 एमटी था। मंत्रालय ने कहा कि यह कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता और समग्र कोयला आयात को कम करने के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सरकार कोयला उत्पादन को और बढ़ाने के अपने प्रयासों में लगातार लगी हुई है, जिसका लक्ष्य उपलब्धता बढ़ाना और आयातित कोयले पर निर्भरता कम करना है, जिससे विदेशी भंडार की सुरक्षा हो सके।

इनसाइड

कहीं आप तो नहीं कर रहे फेक आधार कार्ड का इस्तेमाल, ऐसे करें चेक

आपका आधार कार्ड फेक तो नहीं है। दरअसल कुछ स्थितियों में देखा गया है कि चंद पैसों के लालच में एक फेक आईडी भी आधार कार्ड के नाम पर बना देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप खुद इस बात की जानकारी लें कि आपका आधार कार्ड एक असली डॉक्यूमेंट है। बता दें भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की ओर से आधार नंबर वेरिफाई करने की सुविधा मिलती है।



नई दिल्ली। आधार कार्ड भारतीय नागरिकों की आइडेंटिटी से जुड़ा एक जरूरी डॉक्यूमेंट है। आप भी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन जिस डॉक्यूमेंट को आप इस्तेमाल कर रहे हैं क्या वह एक रियल आईडी है। आपका आधार कार्ड फेक तो नहीं है। दरअसल, कुछ स्थितियों में देखा गया है कि चंद पैसों के लालच में एक फेक आईडी भी आधार कार्ड के नाम पर बना देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप खुद इस बात की जानकारी लें कि आपका आधार कार्ड एक असली डॉक्यूमेंट है।

ऐसे चेक करें आधार कार्ड रियल है या फेक दरअसल, आधार कार्ड वेरिफिकेशन प्रोसेस के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की ओर से एक ऑफिशियल वीडियो भी जारी किया गया है। यह वीडियो भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। इस वीडियो को प्ले कर भी प्रोसेस को फॉलो कर सकते हैं। सबसे पहले आपको यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट (www.uidai.gov.in) पर विजिट करना होगा। अब आधार सर्विस सेक्शन में Verify an Aadhaar No. पर क्लिक करना होगा। अब आधार नंबर दर्ज कर केप्चा कोड एंटर करना होगा। अब Proceed To Verify पर क्लिक करना होगा। ऐसा करने के साथ ही आपका आधार वेरिफिकेशन पूरा हो जाता है।

बता दें, इस प्रोसेस को फॉलो करते हुए आपको अपने रजिस्टर्ड नंबर की जानकारी देनी पड़ सकती है। मोबाइल पर आए OTP को दर्ज करने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसा करने के साथ अगर अकाउंट लॉग-इन कर अपने नाम, फोन नंबर, एड्रेस की जानकारीयां स्क्रीन पर नजर आती हैं तो आधार नंबर सही है।



पेट्रोल-डीजल के नए दाम हुए जारी, शहर में तेल की कीमत

सरकारी तेल कंपनियों ने देश के घरेलू बाजारों के लिए तेल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। मालूम हो कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे जारी की जाती हैं। कीमतों में नया बदलाव होने पर इसी दौरान नया अपडेट जारी होता है। रविवार, दिसंबर 24 के लिए भी पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी हो गई हैं। आज भी तेल की कीमतों में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है।

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने देश के घरेलू बाजारों के लिए तेल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। मालूम हो कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे जारी की जाती हैं। कीमतों में नया बदलाव होने पर इसी दौरान नया अपडेट जारी होता है। रविवार, दिसंबर 24 के लिए भी पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी हो गई हैं। आज भी तेल की कीमतों में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है।

चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत
दिल्ली - राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई - मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपये प्रति



लीटर पर बिक रहा है।
कोलकाता - कोलकाता में पेट्रोल 106.3 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई - चेन्नई में पेट्रोल 106.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। लीटर देश के अन्य प्रमुख शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत नोएडा - पेट्रोल 97 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर गुरुग्राम - पेट्रोल 97.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.88 रुपये प्रति लीटर फरीदाबाद - पेट्रोल 97.25 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.11 रुपये प्रति लीटर

आगरा - पेट्रोल 96.48 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.64 रुपये प्रति लीटर लखनऊ - पेट्रोल 96.62 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर देहरादून - पेट्रोल 95.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.13 रुपये प्रति लीटर शिमला - पेट्रोल 97.34 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.34 रुपये प्रति लीटर जयपुर - पेट्रोल 108.48 रुपये प्रति लीटर और डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर अहमदाबाद - पेट्रोल 96.42 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.17 रुपये प्रति लीटर

भोपाल - पेट्रोल 108.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 93.90 रुपये प्रति लीटर इंदौर - पेट्रोल 108.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 93.94 रुपये प्रति लीटर बनारस - पेट्रोल 96.68 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.87 रुपये प्रति लीटर रांची - पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.65 रुपये प्रति लीटर पटना - पेट्रोल 107 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.21 रुपये प्रति लीटर रायपुर - पेट्रोल 102.45 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.44 रुपये प्रति लीटर

नौकरी के लिए बदल रहे हैं शहर, नया बैंक अकाउंट खुलवाने की नहीं जरूरत; पुराना ऐसे करें ट्रांसफर

कई बार नौकरी के लिए एक से दूसरे शहर जाने और रहने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी बैंकिंग सर्विस को लेकर आती है। नए शहर में जाने के साथ ही नया बैंक अकाउंट खुलवाने की जरूरत महसूस होती है। हालांकि ऐसा किया जाना आखिरी ऑप्शन नहीं है। दरअसल बैंक की ओर से ग्राहकों को बैंक की होम ब्रांच बदलने की सुविधा मिलती है।

नई दिल्ली। कई बार नौकरी के लिए एक से दूसरे शहर जाने और रहने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी बैंकिंग सर्विस को लेकर आती है। नए शहर में जाने के साथ ही नया बैंक अकाउंट खुलवाने की जरूरत महसूस होती है। हालांकि, ऐसा किया जाना आखिरी ऑप्शन नहीं है।

बैंक ब्रांच बदलने की मिलती है सुविधा
दरअसल, बैंक की ओर से ग्राहकों को बैंक की होम ब्रांच बदलने की सुविधा मिलती है। बैंक की होम ब्रांच बदलने के लिए एक ऑनलाइन प्रोसेस को फॉलो करना होता है। आगरा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक हैं और इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल



करते हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए ही है। यहां शहर बदलने के साथ बैंक की होम ब्रांच बदलने का ही आसान प्रोसेस बता रहे हैं-
SBI में बैंक ब्रांच ऐसे बदलें
अगर आप एसबीआई अकाउंट होल्डर हैं तो नए शहर में पुराना बैंक अकाउंट ट्रांसफर करवा सकते हैं। इसके लिए इन स्टेप्स को फॉलो करना होगा-
सबसे पहले एसबीआई की ऑफिशियल वेबसाइट (www.onlinesbi.com) पर विजिट करना होगा।

अब Internet Banking के लिए लॉग-इन करना होगा। e-service ऑप्शन को खोज कर इस पर क्लिक करना होगा यहां बायीं ओर क्विक लिंक्स टैब में सेविंग अकाउंट ट्रांसफर करने के ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। अब नया पेज खुलने पर ट्रांसफर करने वाले सेविंग अकाउंट को सेलेक्ट करना होगा। ट्रांसफर करने वाली जगह के लिए बैंक ब्रांच कोड को एंटर करना होगा।

अब Get Branch Name पर क्लिक करना होगा। ब्रांच का नाम स्क्रीन पर नजर आएगा, सारे नियम-शर्तों को पढ़ कर नेक्स्ट पेज पर आना होगा। सारी जानकारीयों को भर कर सबमिट करना होगा। अब आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आए कोड को एंटर करना होगा। यह प्रोसेस पूरा करने के साथ ही कुछ दिनों में आपके बैंक की होम ब्रांच बदल दी जाती है।



LIC की इन स्कीम के साथ बेहतर भविष्य का वादा, मिल रहा है ज्यादा ब्याज का फायदा



पब्लिक सेक्टर लाइफ इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (Life Insurance Corporation of India) ने साल 2023 में कई नई स्कीम को लेकर एलान किया है। इन स्कीम के साथ कई फायदे और आकर्षक ब्याज दरों को ऑफर किया जा रहा है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने जीवन शांति प्लान को लेकर नए बदलाव किए हैं। इस स्कीम के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गई है।

नई दिल्ली। पब्लिक सेक्टर लाइफ इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (Life Insurance Corporation of India) ने साल 2023 में कई नई स्कीम को लेकर एलान किया है। इन स्कीम के साथ कई फायदे और आकर्षक ब्याज दरों को ऑफर किया जा रहा है। इस आर्टिकल में एलआईसी की कुछ बेहतरीन स्कीम को लेकर ही जानकारी दे रहे हैं-

जीवन शांति प्लान
भारतीय जीवन बीमा निगम ने जीवन शांति प्लान को लेकर नए बदलाव किए हैं। इस स्कीम के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गई है। नई ब्याज दर 5 जनवरी, 2023 से प्रभावी है। यह एक सिंगल प्रीमियम प्लान है।

प्लान के साथ पॉलिसी होल्डर को सिंगल और जॉइंट लाइफ डेफेंड एन्युटी के बीच एक को चुनने का विकल्प मिलता है।

जीवन आजाद प्लान
एलआईसी की जीवन आजाद एक ईंजीविजुअल और सेविंग लाइफ इंश्योरेंस प्लान है। इस प्लान के साथ सुरक्षा और बचत की सुविधा मिलती है। स्कीम एक लिमिटेड प्रीमियम पेमेंट प्लान है। स्कीम के साथ पॉलिसी अवधि के दौरान किसी भी आकस्मिक घटना के मामले में परिवार को गारंटी सहायता मिलती है। स्कीम के साथ जीवित बीमिष्ठ व्यक्ति को मैच्योरिटी पर एकमुश्त भुगतान को गारंटी भी मिलती है।

जीवन किरण प्लान
एलआईसी जीवन किरण (योजना संख्या 870) एक नई स्कीम है। यह स्कीम 27 जुलाई 2023 को लॉन्च की गई थी। एलआईसी की जीवन किरण एक ईंजीविजुअल सेविंग लाइफ इंश्योरेंस प्लान है।

मिनिमम लाइफ कवरेज के लिए प्लान में मिनिमम बीमा राशि 15 लाख रुपये है। पॉलिसी अवधि 10 से 40 वर्ष तक हो सकती है। रेगुलर प्रीमियम इंश्योरेंस के लिए मिनिमम प्रीमियम 3000 रुपये है। वहीं, सिंगल प्रीमियम पॉलिसियों के लिए यह राशि 30,000 रुपये है।

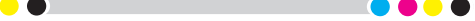
कम पैसों में ज्यादा कवर का मिलेगा फायदा, टॉपअप और सुपर टॉप अप प्लान में यहां समझें अंतर

अगर आपको लगता है कि आपके बीमा कवर की राशि कुछ कम है तो आप कवर को अपग्रेड करने के बारे में सोच सकते हैं। कवर को टॉप-अप या सुपर टॉप-अप से अपग्रेड करवाया जा सकता है। यहां बताया जरूरी है कि इंश्योरेंस कंपनियां टॉप-अप प्लान के लिए किसी तरह की कोई मेडिकल स्क्रीनिंग नहीं करती है। टॉप-अप प्लान एक बार के खर्च के लिए काम आता है।

नई दिल्ली। अगर आपको लगता है कि आपके बीमा कवर की राशि कुछ कम है तो आप कवर को अपग्रेड करने के बारे में सोच सकते हैं। कवर को टॉप-अप या सुपर टॉप-अप से अपग्रेड करवाया जा सकता है। यहां बताया जरूरी है कि इंश्योरेंस कंपनियां टॉप-अप प्लान के लिए किसी तरह की कोई मेडिकल स्क्रीनिंग नहीं करती है। इस आर्टिकल में इन दोनों ही टॉप अप प्लान को समझाने की कोशिश कर रहे हैं-

क्या है टॉप-अप हेल्थ प्लान
अगर आपके पास पहले से ही हेल्थ पॉलिसी है तो आपके लिए टॉप-अप हेल्थ प्लान के ऑप्शन पर जाना सही होगा। इस प्लान के साथ ज्यादा कवर का फायदा मिलता है। इतना ही नहीं, जिन लोगों के पास हेल्थ पॉलिसी पहले से होती है, उन्हें यह प्लान कम कीमत पर ऑफर किया जाता है।

क्या है सुपर टॉप-अप हेल्थ प्लान
सुपर टॉप-अप प्लान के साथ टॉप-अप की लिमिट को एक से ज्यादा बार इस्तेमाल कर सकते हैं। सुपर टॉप-अप का फायदा उस स्थिति में मिलता है जब खर्च हेल्थ इंश्योरेंस से कवर नहीं हो पाता। हेल्थ इंश्योरेंस से खर्च पूरा होने के बाद एक्स्ट्रा खर्च को सुपर टॉप-अप से कवर करवाया जा सकता है। यह प्लान नए खर्चों की राशि के लिए काम आता है। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि हेल्थ इंश्योरेंस को पहले ही सुपर टॉप-अप से अपग्रेड करवाया जाए।



फर्जी ID से कोरियर कंपनी में नौकरी करनेवाला शास्स करता था सामान की चोरी, पुलिस ने ऐसे किया



परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कोरियर से भेजे गए सामान गायब करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित फर्जी नाम-पते पर आधार कार्ड बनवा उसके आधार पर कोरियर कंपनी में नौकरी पकड़ लेता था और महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की डिलीवरी का मौका मिलने पर सारा सामान गायब कर नौकरी भी छोड़ देता था। विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपित का नाम प्रदीप सिंह है। वह गांव नगला परमाल, आगरा, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। इसने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। वह पहले आगरा में एक कोरियर कंपनी में काम करता था। वहां थोरे सिस्टम से अगवत होने के बाद आपराधिक वारदात करने के मकसद से दिल्ली आ गया। यहां आकर वह फर्जी नाम-पते पर आधार कार्ड बनवा उसके जरिये कोरियर कंपनियों में नौकरी डिलीवरी के लिए दिए गए इलेक्ट्रानिक सामान गायब करना शुरू कर दिया।

आरोपी के कब्जे से चोरी के सामान बरामद

हर वारदात के बाद वह नौकरी छोड़ देता था। हरे अपराध के बाद वह कुछ समय के लिए आगरा चला जाता था फिर कुछ समय बाद दिल्ली आकर उसी तरह से दूसरी वारदात को अंजाम देता थ। इसकी निशानदेही पर गायब किए गए 40 मोबाइल और एक एप्पल स्मार्ट-वाच बरामद की गई है। गाजीपुर थाने में इसके खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज था, जिसे सुलझा लिया गया।

40 से ज्यादा मोबाइल फोन और घड़ी

राष्ट्रीय उपभोक्तावाद अधिकार दिवस पर नकली, घटिया, मिलावटी खाद्य वस्तुओं की धडल्ले से आपूर्ति पर सरकार को चेताया

परिवहन विशेष। एसडी सेटी।

नई दिल्ली। भारत की आजादी के 74 साल बाद भी देशभर में हर खण उपभोक्ताओं को ठगा जा रहा है। दूध, दुग्ध पदार्थों, तेलों, दवाईयों, तक में मिलावटी जहर परोसा जा रहा है। कस्टमर्स द्वारा पूरे पैसे खर्च करने के बावजूद उपभोक्ताओं को इस बात की गारंटी देने वाली कोई नियामक नियंत्रण एजेंसी नहीं है। कि जो खाद्य वस्तु वह खरीद रहे हैं, वह मिलावटी, या नकली तो नहीं है। राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के मौके पर राष्ट्रीय उपभोक्ता जन-जागरूकता कल्याण संघ के दिल्ली आदर्श मूल ग्रामीण पंचायत महासंघ द्वारा बरवाला के मुख्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष डी एन वत्स ने उपस्थित सैकड़ों उपभोक्ताओं को अपने संबोधन में कहे। वत्स ने सरकार को चेताया कि बड़े खानपान सामग्री बनाने वाले उत्पादन कर्ता, बड़े वितरक और रिटेल वितरकों ने बाकायदा उपभोक्ताओं को एथिया श्रेणियों में बांटा हुआ है। इनमें गांव, शहर पुनर्वास कालोनी, झुग्गी झोपड़ी, और पॉश कोलोनियों में ग्रेड वाईस इलाकों में घटिया बढिया या नकली वस्तुएं सप्लाई की जाती है। जैसे नई दिल्ली के वीआईपी में सप्लाई किए जाने वाला सामान सर्वोत्तम ए श्रेणी का तो जहागीर पुरी में डी ग्रेड और गावों और दूरदराज के इलाकों में ई ग्रेड यानि सबसे घटिया का सामान की पैकेजिंग भेजी जाती है। संघ के अध्यक्ष ने कहा कि कंपनियों द्वारा दिए जाने वाले अधिक

राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस

24 दिसंबर

कमीशन के लालच में दुकानदार यह कुकृत्य कर मानवता के खिलाफ जघन्य अपराध कर रहे हैं। इसी तरह अमूल, पतांजली दूध, घी, खोया की गुणवत्ता और स्वाद में अंतर साफ दिखाई देता है। इस बारे में शिकायत करने पर कोई कारवाई नहीं होती है। इसी क्रम में नकली- घटिया दवाई को लेकर सरकारी तौर पर चर्चा इन दिनों दिल्ली सरकार कटघरे में है। वत्स के मुताबिक रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी की कैशलेस पॉलिसी में भी बड़े स्तर पर गडबड झाला है। मोहल्ला क्लिनिक, अस्पतालों में दवाईयां गायब हैं। दवाईयां बाजार से लिखी जाती है। घटिया दवाईयां बे अहर है। उन्होंने

'तीन राज्यों में जीत के बावजूद BJP के लिए खतरे की घंटी है वोट शेयर...', AAP नेता सौरभ भारद्वाज

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करने के लक्ष्य पर दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है अब तक बीजेपी का वोट शेयर 40 से भी कम था। अगर पूरा विपक्ष एकजुट हो जाए और INDIA ब्लॉक एकजुट होकर चुनाव लड़े तो बीजेपी के पास कोई रास्ता नहीं है।

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करने के लक्ष्य पर दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है, 'अब तक बीजेपी का वोट शेयर 40 से भी कम था। अगर पूरा विपक्ष एकजुट हो जाए और 'INDIA' ब्लॉक एकजुट होकर चुनाव लड़े तो बीजेपी के पास कोई रास्ता नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'अगर BJP को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट नहीं मिले तो वह

हार जाएगा। तीन राज्यों के चुनाव में कांग्रेस के वोटों का टोटल बीजेपी से ज्यादा था ऐसी स्थिति में बीजेपी लोकसभा चुनाव कैसे जीतेगी, यह उनके लिए एक बड़ी चुनौती है।'

अगले साल मई में हो सकते हैं चुनाव

बता दें, मोदी सरकार का दूसरा

राधा स्वामी डेरा बाबा बग्गा सिंह जी रेलवे रोड तरनतारन में बाबा जयमल सिंह जी, बाबा प्रताप सिंह जी, बाबा केहर सिंह जी का वार्षिक भंडारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया

अमृतसर (साहिल बेरी) हजारों की संख्या में संगत ने पहुंचकर भंडारे में भाग लिया। इस अवसर पर डेरा प्रमुख बाबा परमजीत सिंह ने सत्संग किया। इस अवसर पर डेरे की ओर से मुफ्त मेडिकल कैप और रक्तदान कैप लगाई गई। हम स्वामी बाबा बग्गा सिंह तरनतारन से जुड़े हुए हैं, शिविर में पहुंचकर और बाबा परमजीत सिंह का सत्संग सुनने से हमें शांति मिलती है। हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों को लंगर भी दिया गया और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

बुराड़ी अस्पताल में यौन उत्पीड़न पर राष्ट्रीय महिला आयोग सख्त, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने भी बनाई कमेटी

दिल्ली के बुराड़ी अस्पताल में कथित यौन उत्पीड़न मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने संज्ञान लिया है। आयोग ने संबंधित थाना पुलिस अधिकारी को मामले की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई है। आयोग ने मामले में अब तक हुई कार्रवाई की गहन समीक्षा करने के लिए अगले दो दिनों के भीतर एफआईआर की कॉपी मांगी है।

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी अस्पताल में कथित यौन उत्पीड़न मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने संज्ञान लिया है। आयोग ने संबंधित थाना पुलिस अधिकारी को मामले की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई है।

आयोग ने मामले में अब तक हुई कार्रवाई की गहन समीक्षा करने के लिए अगले दो दिनों के भीतर एफआईआर की कॉपी मांगी है। साथ ही एक विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'एनसीडीब्ल्यू को हालिया मीडिया पोस्ट के माध्यम से परेशान करने वाले आरोपों से

अवगत कराया गया है, जिसमें बुराड़ी अस्पताल की कई महिला कर्मचारियों ने यौन उत्पीड़न का सामना करने के बारे में गंभीर चिंता जताई है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने भी गठित की कमेटी

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कोरियर से भेजे गए सामान गायब करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित फर्जी नाम-पते पर आधार कार्ड बनवा उसके आधार पर कोरियर कंपनी में नौकरी पकड़ लेता था और महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की डिलीवरी का मौका मिलने पर सारा सामान गायब कर नौकरी भी छोड़ देता था। आरोपित का नाम प्रदीप सिंह है।

न्यूजक्लिक मामले को मजबूत करने के लिए ये कदम उठाएगी स्पेशल सेल, बताया पत्रकारों के साथ क्या करेगी

समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल केस से जुड़े कुछ आरोपित पत्रकारों को सरकारी गवाह बनाएगी। केस को मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने ऐसा निर्णय लिया है। सरकारी गवाह बनाने के लिए स्पेशल सेल पिछले कुछ समय से कुछ आरोपित पत्रकारों को बार-बार सेल के लोधी कॉलोनी स्थित कार्यालय में बुलाकर पुलिस उनसे गवाह बनने के लिए अनुरोध कर रही है।

नई दिल्ली। आबकारी घोटाले की तरह समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक मामले में भी दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल केस से जुड़े कुछ आरोपित पत्रकारों को सरकारी गवाह बनाएगी। केस को मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने ऐसा निर्णय लिया है। सरकारी गवाह बनाने के लिए स्पेशल सेल पिछले कुछ समय से कुछ आरोपित पत्रकारों को बार-बार सेल के लोधी कॉलोनी स्थित कार्यालय में बुलाकर पुलिस उनसे गवाह बनने के लिए अनुरोध कर रही है।

न्यूक्लिक के पत्रकारों पर चीनी कंपनियों से पैसे लेकर उसके पक्ष में प्रयोजित खबरें चलाने का आरोप है। इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत न्यूजक्लिक के संस्थापक व प्रधान संपादक प्रवीर पुरकायस्थ व एचआर कर्मी अमित चक्रवर्ती को सेल ने गत दिनों गिरफ्तार किया था। दोनों को रिमांड पर लेकर पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक पूछताछ के आधार पर पुलिस अन्य के खिलाफ भी सुबूत जुटाने में लगी हुई है। जिसके आधार पर आगे अन्य कई की गिरफ्तारी हो सकती है। समाचार पोर्टल के मालिक, पोर्टल से जुड़े वरिष्ठ पत्रकारों व अन्य पर तीन तरह से शिकंजा कसना शुरू हो गया है।

पहले ईडी ने मनी लॉड्रिंग के तहत मामले की जांच शुरू की। फिर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारियां कीं। बाद में 11 अक्टूबर को सीबीआई ने न्यूजक्लिक के सैदुलाजाब स्थित कार्यालय समेत दो ठिकानों पर छापेमारी कई घंटे तक तलाशी ली थी और वहां मौजूद समाचार पोर्टल के वरिष्ठ पत्रकारों व कंपनी से जुड़े अन्य कर्मियों से पूछताछ की थी।

सीबीआई विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के प्रावधानों का उल्लंघन करने के आरोप में समाचार पोर्टल कंपनी और उसके निदेशक सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

सीबीआई का कहना है कि न्यूजक्लिक पर चीनी कंपनियों से अवैध तरीके से पैसे लेने का आरोप है। कंपनी ने बिना लाइसेंस के चीनी कंपनियों से करोड़ों रुपये लिए जो फारेन कांटीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट का उल्लंघन है। किसी भी भारतीय कंपनी को विदेश से फंड लेने के लिए पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय से लाइसेंस लेना होता है, जिसके लिए विस्तृत गाइडलाइन है।

न्यूजक्लिक केंद्र सरकार से बिना लाइसेंस लिए कई वर्षों से चीन से पैसे ले रहा था। ईडी भी मनी लॉड्रिंग के तहत मामले की जांच कर रही है। ईडी यह पता लगा रही है कि न्यूजक्लिक कंपनी को कितने पैसे आए, उसका इस्तेमाल कहाँ किया गया। कंपनी को कितना मुनाफा हुआ। किन-किन लोगों को कितने पैसे मिले। विदेश से पैसों का लेन-देन किस तरह हुआ।

स्पेशल सेल ने बीते तीन अक्टूबर को न्यूजक्लिक के सैदुलाजाब स्थित कार्यालय समेत लाईडिंग के तहत मामले की जांच कर रही है। ईडी यह पता लगा रही है कि न्यूजक्लिक कंपनी को कितने पैसे आए, उसका इस्तेमाल कहाँ किया गया। कंपनी को कितना मुनाफा हुआ। किन-किन लोगों को कितना मुनाफा हुआ। किन-किन लोगों को कितने पैसे मिले। विदेश से पैसों का लेन-देन किस तरह हुआ।

स्पेशल सेल ने बीते तीन अक्टूबर को न्यूजक्लिक के सैदुलाजाब स्थित कार्यालय समेत लाईडिंग के तहत मामले की जांच कर रही है। ईडी यह पता लगा रही है कि न्यूजक्लिक कंपनी को कितने पैसे आए, उसका इस्तेमाल कहाँ किया गया। कंपनी को कितना मुनाफा हुआ। किन-किन लोगों को कितना मुनाफा हुआ। किन-किन लोगों को कितने पैसे मिले। विदेश से पैसों का लेन-देन किस तरह हुआ।

स्पेशल सेल ने बीते तीन अक्टूबर को न्यूजक्लिक के सैदुलाजाब स्थित कार्यालय समेत लाईडिंग के तहत मामले की जांच कर रही है। ईडी यह पता लगा रही है कि न्यूजक्लिक कंपनी को कितने पैसे आए, उसका इस्तेमाल कहाँ किया गया। कंपनी को कितना मुनाफा हुआ। किन-किन लोगों को कितना मुनाफा हुआ। किन-किन लोगों को कितने पैसे मिले। विदेश से पैसों का लेन-देन किस तरह हुआ।

केंद्रीय मंत्री बिश्नेश्वर टुडू नबरंगपुर में बीजेपी कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल हुए

मनोरंजन सासमल, ओडिशा

भुवनेश्वर: ओडिशा कि नबरंगपुर जिले के सफ़िक्ट हाउस में बीजेपी कार्यकर्ताओं की बैठक हुई है. बैठक में केंद्रीय जल मंत्री बिश्नेश्वर टुडू शामिल हुए. केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया, बैठक में संगठन को मजबूत करने और प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं का आह्वान करने पर चर्चा हुई।

8 दिन बाद 12वीं कक्षा के छात्र की मौत, बहस के बाद दूसरे छात्र ने साधियों के साथ की थी पिटाई

मामले की जांच से पता चला कि दोनों स्कूली बच्चों के बीच 12 दिसंबर को स्कूल में बहस हुई थी। इसके बाद 15 दिसंबर को आरोपी और अन्य ने भजनपुरा के डी ब्लॉक इलाके में स्कूल के बाद पीड़ित पर हमला किया और उसके साथ मारपीट की। पीड़ित के चेहरे और सिर पर चोट आई लेकिन उसे प्राथमिक उपचार के बाद घर ले जाया गया था।

पूर्वी दिल्ली। भजनपुरा इलाके में स्कूल के विद्यार्थियों को पिटाई से घायल 12वीं कक्षा के छात्र की एक सप्ताह बाद मौत हो गई। मृतक की पहचान तनुष के रूप में हुई है। तनुष की कक्षा में पढ़ने वाले कुछ विद्यार्थियों से स्कूल के अंदर कहासुनी हुई थी। स्कूल की छुट्टी के बाद घर जाते वक्त करीब दस विद्यार्थियों ने पीड़ित को धेरकर लात घूंसे से बुरी तरह से पीटा था। हाथ, पैर, सीने व चेहरे पर चोट आई थीं।

स्कूल के अंदर हुई थी कहासुनी

भजनपुरा थाना पुलिस ने गैर इरादतन हत्या, मारपीट समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। पुलिस ने दो नाबालिगों को दबोचा है। उनसे पूछताछ कर बाकी आरोपितों की तलाश कर रही है। सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई। तनुष अपने परिवार के साथ गली नंबर-चार भजनपुरा में रहते थे। परिवार में पिता जितेंद्र, मां उमा और एक बड़ी बहन हैं। जितेंद्र निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। तनुष भजनपुरा स्थित जन कल्याण स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ाई करते थे। जितेंद्र ने बताया कि 15 दिसंबर को उनका बेटा स्कूल गया था। कक्षा में कुछ विद्यार्थियों से किसी बात पर कहासुनी हो गई थी। छुट्टी के बाद उनका बेटा अपने दोस्तों के घर लौट रहा था। जब वह डी ब्लाक की गली नंबर-20 में पहुंचा।